# दैनिक राष्ट्रीय गरिमा

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता

www.rashtriyagarima.com

राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

■ भोपाल, शुक्रवार 20 नवम्बर 2026 ■ पृष्ठ : 8, मूल्य ₹ 2 ■ वर्ष : 31, अंक : 154 ■ RNI No.61858/95 ■ Email- rgarima2005@gmail.com




हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में मनाली के पास ब्यास नदी में पर्यटक रिवर राफ्टिंग का आनंद लेते नजर आए। नदी की लहरों के बीच पर्यटकों ने रोमांचक राफ्टिंग का लुत्फउठाया।

**सुविचार**

समय की रेत पर कदमों के निशान बैठकर नहीं बनाये जा सकते।
– कहावत

## बिहार में पुल से नदी में स्कॉर्पियो के गिरने से छह की गई जान

अररिया। बिहार के अररिया जिले में एक सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। तिलक समारोह से लौट रहे लड़की पक्ष के लोगों से भरी एक स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पुल से नीचे मरिया नदी में जा गिरी। हादसा इतना भीषण था कि स्कॉर्पियो में सवार छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, हादसा ताराबाड़ी थाना क्षेत्र के बीड़ी पुल पर हुआ। बताया जा रहा है कि स्कॉर्पियो में सवार सभी लोग सुपौल जिले के पिपरा थाना क्षेत्र के थुमहा गांव के निवासी थे। वे अररिया जिले के सिकटी प्रखंड स्थित भपटिया गांव में आयोजित तिलक समारोह में शामिल होने के बाद वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान बीड़ी पुल के तीखे मोड़ पर चालक स्कॉर्पियो पर से नियंत्रण खो बैठा। अनियंत्रित वाहन सीधे पुल की रेलिंग पार करते हुए नीचे मरिया नदी में जा गिरा। हादसे के बाद वाहन में सवार लोगों में चीख-पुकार मच गई। दुर्घटना की आवाज सुनकर आसपास के स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद एक युवक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जबकि अन्य छह लोगों की जान नहीं बचाई जा सकी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से नदी में गिरी स्कॉर्पियो से सभी शवों को बाहर निकाला गया। इसके बाद उन्हें अररिया सदर अस्पताल भेजा गया।

## गृह मंत्री अमित शाह ने आतंकवाद रोधी सम्मेलन का किया उद्घाटन

नई दिल्ली,(एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को नई दिल्ली में 'सीमा पार आतंकवाद' विषय पर छठे वार्षिक आतंकवाद रोधी सम्मेलन का उद्घाटन किया। सम्मेलन राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) की ओर से आतंकवाद के विरुद्ध राष्ट्र की सामूहिक प्रतिक्रिया को सुदृढ़ करने के निरंतर प्रयासों के अंतर्गत आयोजित किया गया है। गृह मंत्रालय के अनुसार सम्मेलन के सत्र विभिन्न विषयों पर केंद्रित होंगे। इसमें विदेशी न्यायाधिकारों से साक्ष्य प्राप्त करना, आतंकवादी मामलों की जांच में डिजिटल फॉरेंसिक और डेटा विश्लेषण का इस्तेमाल और मुकदमों का प्रभावी प्रबंधन शामिल हैं। सम्मेलन के सत्रों में कट्टरता का मुकाबला करने और राष्ट्रीय सुरक्षा के सामने आ रहे हाइब्रिड खतरों पर भी चर्चा होगी। अन्य सत्रों में आतंकवादी फंडिंग के नेटवर्कों को रोकने से जुड़े साधनों, तकनीकों और केस के अनुभवों की समीक्षा के साथ-साथ भविष्य के लिए तैयार आतंकवाद-निरोधक रणनीतियों के विकास एवं उभरती राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए संस्थागत क्षमताओं को सुदृढ़ करने पर विचार किया जाएगा। इस वर्ष होने वाले सम्मेलन में राज्य पुलिस कर्मियों और पेशेवर लोगों के लिए एक क्षमता-निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को कई क्षेत्रों में सक्षम बनाने के लिए तैयार किया गया है।

## मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आजम खान को सुप्रीम कोर्ट से राहत बरकरार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता आजम खान की अंतरिम जमानत के खिलाफ दायर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका को खारिज कर दिया। यह मामला मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़ी कथित वित्तीय अनियमितताओं और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा है। गुरुवार को अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने आजम खान को मिली अंतरिम जमानत भी बरकरार रखी। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस पीबी वराले की बेंच ने गुरुवार को सुनवाई करते हुए आजम खान के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश में दखल देने से इनकार कर दिया। बेंच ने अपने आदेश में कहा,चूंकि यह एक अंतरिम आदेश है,इसलिए हम इसमें दखल नहीं देना चाहते। अंतरिम जमानत देते वक्त इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ईडी को लेकर शुरुआती राय का मामले के अंतिम फैसले पर कोई असर नहीं पड़ेगा। केंद्रीय एजेंसी ईडी की ओर से पेश हुए कोर्ट में पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने दलील दी कि हाईकोर्ट ने आजम खान को गिरफ्तारी के आधार बताए जाने से जुड़े तथ्यों को गलत तरीके से दर्ज किया है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह सिर्फ अंतरिम जमानत देने का आदेश है, इसलिए कोर्ट इसमें कोई दखल नहीं देगा और न ही हाईकोर्ट के इरादों पर कोई सवाल उठाएगा।

# यह पुरानी सरकार नहीं है,यह दोस्त सरकार है : प्रधानमंत्री मोदी

### फिक्की बैठक में कहा मुझे खुलकर लिखें अभी क्या सुधार जरूरी है



नई दिल्ली,(एजेंसी)। केंद्र सरकार ने अपनी सही नीतियों से केवल बीते 12-13 वर्षों में करीब 50 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। यह बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने फिक्की की वार्षिक आम बैठक और वार्षिक सम्मेलन में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि 1970 के दशक में,जब गरीबी हटाओ का नारा दिया गया था,तब भारत की जनसंख्या लगभग 50 करोड़ थी। उस समय भी गरीबी को खत्म किया जा सकता था, लेकिन फिक्की इस बात का गवाह है कि उस समय की नीतियों में कमियां थीं और दुर्भाग्य से, सही इरादे की भी कमी थी। जब हमने सही नीतियों और सही इरादे के साथ काम किया, तो महज 12-13 वर्षों में 50 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने इंडस्ट्री से अपील करते हुए कहा कि अगले 20 वर्षों में अपने हर दीर्घकालिक निवेश निर्णय में इंडिया फर्स्ट को अपना आधार बनाएं। इससे देश आत्मनिर्भर बनेगा और आपके व्यापार की वृद्धि के लिए भी नया अवसर खुलेगा। साथ ही कहा कि इंडस्ट्री के लिए भी जरूरी है कि वो आत्मचिंतन करें और तय करें अगले 20 वर्षों में क्या हासिल करना है और 2047 विकसित भारत में कैसे योगदान दे सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज जब देश रिफॉर्म एक्सप्रेस पर आगे बढ़ रहा है, तो सरकार भी आपके साथ कदम से कदम मिलाकर चलने को तैयार है। उन्होंने इंडस्ट्री से कहा कि आपका पुरानी सरकारों का अनुभव इतना खट्टा है कि उसका खामियाजा मुझे भुगतना पड़ रहा है। यह पुरानी सरकार नहीं है, यह दोस्त सरकार है। यह दोस्ती निभाना जानती है और आप मेरे सच्चे दोस्त हैं। इसलिए बिना संकोच,बिना झिझक,मुझे खुलकर लिखकर भेजिए कि अभी भी क्या सुधार जरूरी है। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्योगपतियों से भारतीय बाजार को निश्चित ग्राहक वाला बाजार मानकर चलने की मानसिकता छोड़ने और उत्पादों की गुणवत्ता अंतरराष्ट्रीय स्तर की बनाने की अपील की। प्रधानमंत्री ने कहा कि 140 करोड़ देशवासियों को गारंटी वाला बाजार समझकर यह नहीं मानना चाहिए कि कुछ भी बेच देंगे तो बिक जाएगा। भारतीय उपभोक्ता भी सर्वोत्तम गुणवत्ता वाले उत्पादों के हकदार हैं। उन्होंने उद्योग जगत से कहा कि घरेलू बाजार को अपना सुरक्षित ठिकाना बनाने के बजाय इसे वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा करने का आधार बनाएं। पीएम मोदी ने अगले 20 वर्षों के निवेश फैसलों में इंडिया फर्स्ट को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए दवा, इस्पात, एल्युमीनियम, कृषि, खाद्य प्रसंस्करण और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में आयात पर निर्भरता कम करनी होगी। देश में ही उत्पादन क्षमता और आधुनिक तकनीक विकसित करने की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने कर सुधारों का जिक्र करते हुए कहा कि कॉरपोरेट टैक्स की दर 30 से घटाकर 22 प्रतिशत की गई है और 12 लाख रुपये तक की आय को कर राहत दी गई है। उन्होंने उद्योगपतियों से सवाल किया कि इन सुधारों का लाभ कर्मचारियों की वेतन वृद्धि और नए रोजगार पैदा करने में कितना इस्तेमाल किया गया।

# हमने फाइल वर्क से आगे निकलकर फील्ड वर्क पर ध्यान दिया : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

### मुख्यमंत्री ने ग्वालियर टेलीकॉम मैन्यूफैक्चरिंग जोन टीएमजेड निवेशक सम्मेलन को किया संबोधित



ग्वालियर। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का दूरदर्शी नेतृत्व, देश को तकनीकी आत्मनिर्भरता और औद्योगिक विकास की नई ऊंचाइयों की ओर ले जा रहा है। इसी संकल्प को साकार करने की दिशा में मध्यप्रदेश निरंतर नए औद्योगिक अवसरों के द्वार खोल रहा है। इसी कड़ी में ग्वालियर में 170 एकड़ में देश का पहला इंटीग्रेटेड टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन विकसित किया जा रहा है,जो टेलीकॉम क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता को नई मजबूती प्रदान करेगा। वर्तमान में टेलीकॉम केवल संचार का माध्यम नहीं, अर्थव्यवस्था, उद्योग और तकनीकी विकास की मजबूत आधारशिला है। यह ज़ोन टेलीकॉम उपकरणों के डिजाइन,अनुसंधान एवं विकास, नवाचार,परीक्षण,प्रमाणन और विनिर्माण का एकीकृत केंद्र बनेगा। यहां 5 जी, 6जी, सैटकॉम,ऑप्टिकल फाइबर और लोट जैसी भविष्य की तकनीकों के उत्पादन एवं नवाचार को नई दिशा मिलेगी। ग्वालियर टेलीकॉम मैन्यूफैक्चरिंग जोन के लिए 25 निवेशकों की रुचि, 15 उत्पाद श्रेणियां और 3,600 करोड़ रूपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव ग्वालियर की औद्योगिक संभावनाओं को रेखांकित करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव भोपाल में आयोजित टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन इन्वेस्टर मीट को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने केंद्रीय संचार व पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ ग्वालियर टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन (टीएमजेड) निवेशक सम्मेलन का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने ग्वालियर में लगभग 450.45 एकड़ क्षेत्र में विकसित होने जा रहे टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन के दूसरे चरण का शुभारंभ भी किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश केवल घोषणाएं करने वाला राज्य नहीं, बल्कि विकास कार्यों को तीव्र गति से धरातल पर उतारने वाले अग्रणी राज्यों में शामिल हो रहा है। मध्यप्रदेश ने फाइल वर्क से आगे निकलकर फील्ड वर्क पर ध्यान दिया और आज न्यूनतम समय में अधिकतम परिणाम मिल रहे हैं। टीएमजेड की स्थापना के लिए जुलाई 2026 में भारत सरकार के दूरसंचार मंत्रालय के साथ एमओयू हुआ था। लेकिन केवल 4 से 5 महीने में टीएमजेड के पहले फेज के लिए आवंटन जारी कर दिया गया और इसके दूसरे फेज के लिए 450.45 एकड़ जमीन देकर इसका भी शुभारंभ किया गया है। इस अवसर पर ग्वालियर इन्वेस्टर मीट में 25 कंपनियों को आशय पत्र वितरित किए गए। इन निवेशों के माध्यम से 15 हजार से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने लगभग 2,700 से अधिक अनुपालनों को समाप्त किया है। इसके साथ ही,व्यापार और व्यवसाय की राह में बाधा बन रहे 925 से अधिक अनावश्यक कानूनों को भी समाप्त किया गया है। इसी का परिणाम है कि आज मध्यप्रदेश इतनी तेज गति से विकास के पथ पर आगे बढ़ने का सामर्थ्य प्राप्त कर सका है।

## वोट चोरी पर चुनाव बहिष्कार करने से राहुल गांधी का इनकार

### राहुल गांधी ने कहा-इससे जनता लोकतंत्र से विश्वास खो देगी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि वोट चोरी पर विपक्ष का चुनाव बहिष्कार जनता का लोकतंत्र पर से विश्वास समाप्त कर देगा। भारतीय जनता पार्टी भी यही चाहती है। इसी कारण से विपक्ष चुनाव भागीदारी जारी रखे हुए है। यह लड़ाई सत्ता की नहीं बल्कि संविधान की है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज ईरान युद्ध और विश्व में भारत की भूमिका विषय पर शिकागो विश्वविद्यालय में आयोजित संवाद कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने कई प्रश्नों का उत्तर दिया। उन्होंने कहा,बार-बार ये सवाल आता है-भाजपा-चुनाव आयोग की वोट चोरी के खिलाफ विपक्ष चुनाव का बहिष्कार क्यों नहीं कर देता? जवाब साफ है- हमारे लिए भारत का लोकतंत्र सबसे पवित्र है। जिस दिन विपक्ष ने चुनाव लड़ना छोड़ा, उस दिन जनता का लोकतंत्र से भरोसा ही उठ जाएगा-और भाजपा यही चाहती है। हम ये भरोसा टूटने नहीं देंगे। हम हर चोट सहेंगे, हर वोट के लिए लड़ेंगे, हर सच देश के सामने रखेंगे। ये लड़ाई सत्ता की नहीं, संविधान की है - इसकी रक्षा में हम मैदान में थे, हैं और रहेंगे। राहुल ने कहा कि हम यह सुनिश्चित करने जा रहे हैं कि हमारी सबसे बड़ी ताकत यानी जनता बिना किसी डर के खुद को व्यक्त करने की क्षमता, एक बार फिर पुनर्जीवित हो और एक प्रमुख ताकत बनी रहे। इस दौरान राहुल गांधी ने भारत सरकार के आतंक के रहते पाकिस्तान से बातचीत नहीं करने की नीति को ही दोहराया। उन्होंने कहा कि एक पाकिस्तानी छात्र के सवाल के जवाब में राहुल ने कहा कि दोनों देशों के रिश्तों में आतंकवाद को समर्थन और प्रोत्साहन सबसे बड़ी समस्या है। असंभव है कि हम अपने निर्दोष लोगों की हत्या को सहन करें और साथ ही पाकिस्तान से बातचीत भी करें।

## दाऊद इब्राहिम के पुराने ठिकाने 'मुसाफिरखाना' पर चला बुलडोजर



### भारी पुलिस बल तैनात, मस्जिद के नोटिस पर भड़की एआईएमआईएम

मुंबई,(एजेंसी)। बृहन्मुंबई नगर निगम ने गुरुवार को मुंबई के भिंडी बाजार स्थित चर्चित मुसाफिरखाना इमारत को गिराने की बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। यह वही ऐतिहासिक और विवादित इमारत है,जहां कभी अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम अपने परिवार के साथ रहता था और यहीं बैठकर उसने मुंबई बम धमाकों की खौफनाक साजिश रची थी। आज प्रशासन की ओर से इस इमारत को जमींदोज करने का काम शुरू किया गया, जिसके मद्देनजर पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। मुंबई के डीसीपी मनीष कलवानिया ने जानकारी देते हुए बताया कि सुरक्षा के सभी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं और तोड़फोड़ की यह कार्रवाई पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से चल रही है। डीसीपी मनीष कलवानिया ने मौके की स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि बीएमसी की पूरी टीम आज सुबह से ही यहां काम में जुटी हुई है और सुरक्षा से जुड़ी सभी जरूरी सावधानियां बरती जा रही हैं। किसी भी अप्रिय घटना या कानून-व्यवस्था की समस्या से निपटने के लिए आसपास के पूरे क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। उन्होंने बताया कि फिलहाल मौके पर किसी तरह की कोई समस्या नहीं है और कार्रवाई सुचारू रूप से आगे बढ़ रही है। गौरतलब है कि बीएमसी ने मुसाफिरखाना इमारत के साथ-साथ इसी परिसर में स्थित एक मस्जिद को गिराने को लेकर भी नोटिस जारी किया था, जिसे लेकर अब सियासी और कानूनी हलचल तेज हो गई है। परिसर में स्थित मस्जिद को गिराने के नोटिस को लेकर असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन ने कड़ा विरोध जताया है। पार्टी नेता वारिस पठान ने मौके पर एकत्रित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि इस नोटिस के खिलाफ राहत पाने के लिए हर संभव कानूनी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इमारत को गिराने के लिए 18 और 19 नवंबर का समय निर्धारित किया गया था। मस्जिद से जुड़े कानूनी मामले को देख रहे अधिवक्ता यूसुफ बागवाला ने गुरुवार सुबह 11 बजे मुख्य न्यायाधीश की अदालत में इस मामले को तत्काल सूचीबद्ध कराने के लिए एक वकील नियुक्त किया है, ताकि बीएमसी के नोटिस पर स्थगन आदेश (स्टे) हासिल किया जा सके। वारिस पठान ने उम्मीद जताते हुए कहा कि अदालत से जल्द ही इस मामले में राहत मिलेगी और नोटिस पर रोक लगेगी। उन्होंने कहा कि लोगों की आस्था है कि यहां मस्जिद कायम रहेगी और हम सब अल्लाह के घर की हिफाजत के लिए इकट्ठा हुए हैं, जिसमें किसी का कोई निजी स्वार्थ नहीं है। ओवैसी की पार्टी के नेता ने प्रशासन को नसीहत देते हुए कहा कि सरकार जो भी कदम उठाए, वह पूरी तरह कानून के दायरे में रहकर उठाए और किसी भी तरह की गैर-कानूनी कार्रवाई न हो। उन्होंने आगे कहा कि देश में बुलडोजर पॉलिटिक्स नहीं होनी चाहिए और हर पक्ष को अपनी बात रखने का पूरा अधिकार मिलना चाहिए।

## आंध्र प्रदेश में कंटेनर और मालवाहक वाहन की टक्कर में तीन की मौत

अमरावती। आंध्र प्रदेश के पलनाडु जिले में भीषण सड़क हादसे में दो मजदूरों सहित तीन लोगों की मौत हो गई,जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया। हादसा तब हुआ,जब एक कंटेनर ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क के दूसरी ओर पहुंच गया और सामने से आ रहे मालवाहक वाहन से टकरा गया। पुलिस के मुताबिक,कंटेनर गमलापाडु इलाके में पहुंचा था,तभी चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। ट्रक सड़क के बीच बने डिवाइडर को पार कर दूसरी लेन में चला गया। तभी सामने से आ रहे मालवाहक वाहन से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में आशंका है कि कंटेनर चालक को वाहन चलाते समय नींद की झपकी आ गई थी, इसकारण यह हादसा हुआ। हालांकि,पुलिस दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं की जांच कर रही है। हादसे में मालवाहक वाहन का चालक भी घायल हुआ है।

# पड़ोसियों के खिलाफ संघर्ष भड़काना बंद करे पाकिस्तानी सेना : भारत




नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारत ने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान को अपनी करतूतों से बाज आने की हिदायत दी है। भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत परवतानेनी हरीश ने सुरक्षा परिषद में इस्लामाबाद को आईना दिखाते हुए माना कि उनकी सेना का हस्तक्षेप देश को बर्बाद कर रहा है। पी हरीश ने संयुक्त राष्ट्र में आरिया-फॉर्मूला बैठक के दौरान भारत का स्पष्ट मत रखा। गुरुवार को उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसका वीडियो साझा किया। बताया कि लाइबेरिया द्वारा आयोजित प्राकृतिक संसाधन और संघर्ष विषय में भारत ने अपना पक्ष रखा। इनमें किम्बर्ली प्रोसेस के प्रति भारत का समर्थन, जिला स्तर पर खनिज संसाधनों के प्रबंधन की व्यवस्था, महिलाओं की भूमिका और पाकिस्तान की सेना की भूमिका पर सवाल शामिल रहा। पाकिस्तान पर पी हरीश ने कहा, मेरी मंशा नहीं थी कि इस मुद्दे पर बात करूं, लेकिन जिस तरह से पाकिस्तानी दूत ने इस मसले को उठाकर मंच का प्रयोग दुष्प्रचार किया है (इससे पहले पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि का मुद्दा उठाया था) तो मुझे लगता है कि बताना जरूरी है कि सिंधु जल संधि पर हमारा रुख स्पष्ट है और विभिन्न मंचों पर हम इसे लेकर अपना पक्ष रख चुके हैं। उन्होंने पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर का जिक्र करते हुए कहा, पिछले साल सितंबर में उन्हें विदेशी नेताओं के सामने खनिज पत्थरों से भरा लकड़ी का एक डिब्बा दिखाते देखा गया था। भारतीय राजदूत ने इसे प्राकृतिक संसाधनों के दोहन में पाकिस्तानी सेना की भूमिका का स्पष्ट संकेत बताया। बोले,अगर लोकतांत्रिक राज होता तो ऐसा नहीं होता जैसा हुआ है। जनता सुखी रहती और उनके एक प्रांत में गलत तरीके से इमरजेंसी न लगाई जाती। भारतीय राजदूत ने कहा,पाकिस्तान का भी भला इसी में है कि उसकी सेना पड़ोसी देशों के खिलाफ संघर्ष भड़काना बंद करे, क्योंकि इसका उलटा असर अब खुद पाकिस्तान पर पड़ रहा है। यह टिप्पणी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख असीम मुनीर की सितंबर 2025 में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई मुलाकात के दौरान सामने आई तस्वीर के संदर्भ में थी। इस तस्वीर में मुनीर खनिज नमूनों से भरा लकड़ी का डिब्बा दिखाते नजर आए थे। संयुक्त राष्ट्र की इस बैठक का विषय प्राकृतिक संसाधनों और शांति के बीच संबंध तथा इस क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय नियमों की संभावित कमियों का आकलन था। इसमें इस बात पर चर्चा हुई कि खनिज और अन्य प्राकृतिक संसाधन किस तरह संघर्षों को बढ़ावा देने या शांति और विकास का आधार बनने में भूमिका निभा सकते हैं। भारत ने किम्बर्ली प्रोसेस के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। भारत वर्ष 2026 में इस प्रक्रिया का अध्यक्ष है। किम्बर्ली प्रोसेस एक अंतरराष्ट्रीय प्रमाणन व्यवस्था है, जिसका उद्देश्य संघर्षों को वित्तपोषित करने के लिए इस्तेमाल होने वाले हीरों के अवैध व्यापार को रोकना है। भारत ने इस व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने और जिम्मेदार हीरा व्यापार को बढ़ावा देने के महत्व को रेखांकित किया। भारतीय राजदूत ने देश में जिला स्तर पर खनिज संसाधनों के प्रबंधन से जुड़ी व्यवस्थाओं का भी उल्लेख किया। भारत में जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) के माध्यम से खनन प्रभावित क्षेत्रों और वहां रहने वाले लोगों के कल्याण के लिए काम किया जाता है। इसका उद्देश्य खनन से मिलने वाले लाभ का एक हिस्सा स्थानीय समुदायों तक पहुंचाना और प्रभावित इलाकों में विकास कार्यों को बढ़ावा देना है।

# साझा लोकतांत्रिक मूल्य भारत-अमेरिका सहयोग के मजबूत आधार : बिरला



नई दिल्ली,(एजेंसी)। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को कहा कि भारत और अमेरिका के साझा लोकतांत्रिक मूल्य द्विपक्षीय व्यापार, निवेश एवं तकनीकी सहयोग के विस्तार के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाएं, स्थिर नीतियां, स्वतंत्र न्यायपालिका और हितधारकों के साथ निरंतर संवाद निवेशकों का विश्वास मजबूत करते हैं तथा आर्थिक विकास के नए अवसर सृजित करते हैं। बिरला ने दिल्ली स्थित 23वें भारत-अमेरिका आर्थिक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा,मजबूत और जीवंत लोकतांत्रिक संस्थाएं स्थिर एवं संवेदनशील नीति-निर्माण में योगदान देती हैं। लोकतंत्र विविध विचारों को स्थान देता है और यह सुनिश्चित करता है कि नीतियां एवं कानून बनाते समय उद्योग,व्यापार, कृषि, प्रौद्योगिकी, छात्रों तथा अन्य हितधारकों के विचारों को ध्यान में रखा जाए। स्थिर नीतिगत वातावरण के अंतर्गत नीतियां तथा उद्योग और नीति-निर्माताओं के बीच नियमित संवाद निवेश को प्रोत्साहित करते हैं और आर्थिक साझेदारी को सुदृढ़ बनाते हैं। उन्होंने कहा कि भारत में कुशल मानव संसाधनों का बढ़ता दायरा इन साझेदारियों को और मजबूत करने की व्यापक संभावनाएं प्रदान करता है। उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के बीच घनिष्ठ सहयोग का आह्वान करते हुए बिरला ने उद्योग जगत से अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालयों, आईआईटी, आईआईआईटी, इंजीनियरिंग कॉलेजों और अन्य तकनीकी संस्थानों के साथ मिलकर काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अनुसंधान के क्षेत्र में उद्योग के निवेश ने दुनिया भर में तकनीकी प्रगति को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उद्योग और शिक्षण संस्थानों के बीच मजबूत साझेदारी भारत को नई तकनीकों के विकास, प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने और उभरते क्षेत्रों में नेतृत्व स्थापित करने में मदद करेगी। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय दवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, विशेषकर अफ्रीकी देशों में व्यापक मान्यता प्राप्त है। उन्होंने स्वास्थ्य देखभाल की उभरती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दवा कंपनियों और विश्वविद्यालयों द्वारा संयुक्त अनुसंधान किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि एआई और चिकित्सा प्रौद्योगिकी में हो रही प्रगति नवाचार के महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है। बिरला ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की प्रगति के साथ-साथ रक्षा विनिर्माण और निर्यात में देश की बढ़ती क्षमताओं पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि युवा भारतीयों के विचार, कौशल और इनोवेटिव क्षमताएं देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। भारत के विस्तारित स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र ने कई वैश्विक चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत किया है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली



# 35 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को सिखाई महिलाओं में कैंसर की शुरुआती पहचान की तकनीक

## तीन दिवसीय VIA प्रशिक्षण में चार जिलों के CHO हुए शामिल, अब ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में महिलाओं की स्क्रीनिंग को मिलेगी मजबूती




मंदसौर। महिलाओं में गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर की समय रहते पहचान और रोकथाम के उद्देश्य से सुंदरलाल पटवा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, मंदसौर के सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा चार जिलों के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए तीन दिवसीय आवासीय VIA प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में आगर मालवा, उज्जैन, रतलाम एवं मंदसौर जिले के कुल 35 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (CHO) ने भाग लिया। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. शशि गांधी के मार्गदर्शन तथा सामुदायिक चिकित्सा विभाग के प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. सुनील कांत गुलेरी के निर्देशन में आयोजित इस प्रशिक्षण का उद्देश्य महिलाओं में गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की प्रारंभिक पहचान के लिए VIA (Visual Inspection with Acetic Acid) जांच की तकनीक में स्वास्थ्य अधिकारियों को दक्ष बनाना था। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के जोखिम कारकों, लक्षणों, VIA जांच की प्रक्रिया और उसके परिणामों की पहचान के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही जांच में पॉजिटिव एवं नेगेटिव निष्कर्षों का आकलन, मरीजों की काउंसलिंग तथा आवश्यकता पड़ने पर उच्च स्वास्थ्य केंद्रों में रेफरल की प्रक्रिया का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। प्रशिक्षण से सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों की स्क्रीनिंग एवं कैंसर की शुरुआती पहचान करने की क्षमता मजबूत होगी। इसके माध्यम से आयुष्मान आरोग्य मंदिर और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर महिलाओं को समय पर जांच, उचित परामर्श तथा जरूरत के अनुसार उपचार के लिए रेफरल की सुविधा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि सामुदायिक चिकित्सा विभाग इससे पहले चार बैच में 140 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को ड्ढ्ढ प्रशिक्षण दे चुका है। इस प्रकार वर्तमान प्रशिक्षण के माध्यम से 35 और स्वास्थ्य अधिकारी प्रशिक्षित हुए हैं। प्रशिक्षण के समापन समारोह में फार्माकोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष एवं प्रभारी अधिष्ठाता डॉ. कार्तिक साल्वे, संकाय चिकित्सा शिक्षक तथा मॉनिटरिंग एंड इवैल्यूएशन अधिकारी महेश धनोटिया ऑब्जर्वर के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. कार्तिक साल्वे ने महिलाओं में गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की नियमित जांच और समय पर पहचान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से अपने कार्यक्षेत्र में प्राप्त व्यावहारिक ज्ञान का प्रभावी उपयोग करने तथा अधिक से अधिक महिलाओं को VIA जांच के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

# राजस्व न्यायालयों में तीन माह के अंदर प्रकरणों का निराकरण हो



### स्वामित्व रजिस्ट्री के कार्य में अपेक्षित प्रगति लाई जाए

हरदा। कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिये कि राजस्व न्यायालयों में दर्ज प्रकरणों का तीन माह के अंदर आवश्यक रूप से निराकरण किया जाए। गुरूवार को आयोजित राजस्व अधिकारियों की बैठक में कलेक्टर ने स्वामित्व रजिस्ट्री के कार्य में भी अपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश दिये। उन्होने कहा कि फौती नामांतरण वाले प्रकरणों में भी शीघ्रता से नामांतरण कर स्वामित्व पंजीयन किया जाए। बैठक में सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निराकरण गंभीरता से किया जाए। कोई भी शिकायत संतुष्टिपूर्ण समाधान के बिना अनावश्यक लंबित न रहे। इस दौरान पीएम किसान, फार्मर रजिस्ट्री, नक्शा तरमीम, नामांतरण, सीमांकन, अभिलेख दुरूस्ती, भूमि आवंटन, वन ग्रामों का राजस्व ग्रामों में संवर्तन, राहत प्रकरणों की स्थिति, राजस्व वसूली तथा अन्य राजस्व कार्यों की भी समीक्षा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्री पुरूषोत्तम कुमार व श्रीमती अनुपमा चौहान, एसडीएम हरदा श्री शैलेन्द्र ब?ोनिया, एसडीएम टिमरनी श्री असवनराम चिरामन, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती तृप्ति पटेरिया व सुश्री श्वेता बम्होरे सहित अन्य राजस्व अधिकारी उपस्थित थे।

# मंदसौर की प्राचीन बावड़ियों को फिर मिलेगी नई पहचान, पुनर्जीवन के लिए बने कार्ययोजना

मंदसौर। लगातार गिरते भूजल स्तर, अल्प वर्षा और बढ़ती जल आवश्यकताओं को देखते हुए मंदसौर की प्राचीन बावड़ियों, कुओं और तालाबों का संरक्षण एवं पुनर्जीवन समय की आवश्यकता है। भाजपा जिला उपाध्यक्ष विनय दुबेला ने जिला प्रशासन और नगर पालिका परिषद से शहर के सभी पारंपरिक जल स्त्रोतों का सर्वेक्षण करवाकर उनके संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए ठोस कार्ययोजना बनाने का आग्रह किया है। दुबेला ने कहा कि ऐतिहासिक दशपुर की प्राचीन बावड़ियां और कुएं हमारे पूर्वजों की दूरदर्शी जल प्रबंधन व्यवस्था के उदाहरण हैं, लेकिन उपेक्षा, गंदगी और अतिक्रमण के कारण अनेक जल स्त्रोत अपनी उपयोगिता खो चुके हैं। कुछ बावड़ियां मिट्टी और मलबे से भरकर बंद कर दी गई हैं। ऐसे में पुराने राजस्व नक्शों और ऐतिहासिक दस्तावेजों के आधार पर इनकी पहचान कर अतिक्रमण मुक्त कराने की जरूरत है। उन्होंने मंदसौर में *दशपुर जल विरासत एवं बावड़ी पुनर्जीवन अभियान'* शुरू करने का सुझाव देते हुए कहा कि जिला प्रशासन और नगर पालिका की संयुक्त समिति बनाकर सभी बावड़ियों का सर्वेक्षण कराया जाए। इसमें उनकी स्थिति, स्थान, ऐतिहासिक महत्व, जल संग्रहण क्षमता और अतिक्रमण का विवरण दर्ज किया जाए। दुबेला ने कहा कि बावड़ियों की सफाई के साथ उनकी मरम्मत, वर्षा जल संग्रहण और भूजल पुनर्भरण की वैज्ञानिक व्यवस्था भी विकसित की जाए। पानी की गुणवत्ता जांच के बाद इसका उपयोग उद्यानों की सिंचाई, पौधारोपण और अन्य गैर-पेयजल कार्यों में किया जा सकता है। उन्होंने शासन से विशेष बजट और तकनीकी सहयोग प्राप्त करने के साथ अमृत 2.0 जैसी योजनाओं के तहत सहायता लेने का सुझाव दिया। प्रथम चरण में उपेक्षित बावड़ियों का चयन कर किसी एक बावड़ी को आदर्श बावड़ी के रूप में विकसित किया जाए। दुबेला ने कहा कि जल संरक्षण के इस अभियान में सामाजिक, धार्मिक और व्यापारिक संस्थाओं के साथ आम नागरिकों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने जिला कलेक्टर और नगर पालिका अध्यक्ष से शीघ्र संयुक्त सर्वेक्षण समिति गठित कर अभियान शुरू करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्राचीन जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करना मंदसौर की ऐतिहासिक विरासत बचाने के साथ भविष्य की जल सुरक्षा के लिए भी जरूरी है।

# विद्युत विकास का नया सवेरा, हरदा बना प्रदेश का आईएसओ सबस्टेशन हब'

हरदा। मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग के दूरदर्शी वि?न एवं सतत प्रयासों से हरदा जिले ने विद्युत अधोसंरचना के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। आज हरदा जिले में तीन 33/11 केवी उपकेंद्र आईएसओ 9001:2015 प्रमाणन के साथ विद्युत विकास के नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। इस गौरवपूर्ण यात्रा की शुरुआत कृषि उपज मंडी हरदा में प्रदेश के स्काडा सबस्टेशन के निर्माण से हुई थी। यह सबस्टेशन आज भी हरदा के लगभग आधे क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था को संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके बाद खामाप?वा और अब भीमपुरा (चारूवा) में आईएसओ प्रमाणित सबस्टेशनों का निर्माण पूर्ण होना जिले के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। महाप्रबन्धक मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी ने बताया कि हरदा जिले के तीन गौरवपूर्ण आईएसओ सबस्टेशनों में कृषि उपज मंडी, हरदा - आधुनिक स्काडा सबस्टेशन, 2. खामाप?वा - द्वितीय आईएसओ प्रमाणित सबस्टेशन तथा भीमपुरा (चारूवा) - तृतीय आईएसओ प्रमाणित सबस्टेशन शामिल है। इन तीनों उपकेंद्रों के निर्माण में हरदा के ठेकेदार एवं विद्युत कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी द्वारा कार्यों की गुणवत्ता और तकनीकी व्यवस्थाओं की निरंतर निगरानी की गई। भीमपुरा 33/11 केवी उपकेंद्र के ऊर्जीकृत होने से 18 ग्रामीण एवं आदिवासी बाहुल्य ग्रामों के लगभग 2,145 घरेलू एवं कृषि उपभोक्ताओं को लाभ मिल रहा है। इस सभी उपकेंद्र के माध्यम से घरेलू उपभोक्ताओं को 24 घंटे विद्युत आपूर्ति तथा किसानों को सिंचाई के लिए 10 घंटे सतत बिजली उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। इससे क्षेत्र के किसानों और ग्रामीण परिवारों को बड़ी राहत मिली है।

# निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं होगा, भूमि पूजन हो चुके कार्यों को मौके पर शीघ्र प्रारंभ कराएं : कलेक्टर

### शिक्षा संजीवनी अभियान के तहत स्कूलों के अधोसंरचना विकास कार्यों की भी की समीक्षा




बैतूल। कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने आज कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में विभिन्न विभागों के अंतर्गत प्रगतिरत एवं स्वीकृत निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराए जाएं। उन्होंने कहा कि जिन निर्माण कार्यों का भूमि पूजन हो चुका है, उन्हें मौके पर शीघ्र प्रारंभ कराया जाए। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी स्थिति में समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने लोक निर्माण विभाग की समीक्षा करते हुए माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा की गई घोषणाओं से संबंधित निर्माण कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कराने के निर्देश दिए। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग से संबंधित अधिकारियों को भौरा-शाहपुर एवं पाढर मार्ग के डामरीकरण तथा पुलिया मरम्मत कार्य शीघ्र पूर्ण कराने की सख्त हिदायत दी। साथ ही परतवाड़ा मार्ग की शीघ्र मरम्मत एवं सुधार कार्य कराने के निर्देश दिए। सेतु निगम की समीक्षा के दौरान घोड़ाडोंगरी पुल एवं माचना पुल का निर्माण शीघ्र पूर्ण कराने को कहा। उन्होंने भीमपुर विकासखंड के डोक्या से गुरेठा तथा धामन्या से चुनलोमा मार्ग पर पुल सहित सड़क निर्माण के लिए एकीकृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश लोक निर्माण विभाग को दिए। जनजातीय कार्य विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर डॉ सोनवणे ने पूर्ण हो चुके निर्माण कार्यों वाले विद्यालयों में शीघ्र शिफ्टिंग की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नवनिर्मित कन्या शिक्षा परिसरों एवं क्रीड़ा परिसरों में खेल सुविधाएं विकसित करने के प्रस्ताव तैयार करने को कहा। एकलव्य विद्यालयों में अधोसंरचना विकास के संबंध में पृथक से बैठक आयोजित करने के निर्देश भी दिए। लोक निर्माण भवन इकाई के अंतर्गत कोसमी छात्रावास तथा मुलताई के बालक एवं बालिका छात्रावास से संबंधित लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण कर निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने को कहा। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर डॉ सोनवणे ने पूर्ण हो चुके स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक यूटिलिटी सुविधाएं सुनिश्चित कर उन्हें शीघ्र प्रारंभ कराने के निर्देश दिए। नवीन स्कूल भवनों के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि स्कूल भवनों के निर्माण में गुणवत्ता संबंधी लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी।

### रेल सुविधाओं के विस्तार को लेकर

# कोटा मंडल की बैठक में उठे कई मुद्दे, कुरलासी स्टेशन के विकास को मंजूरी



मंदसौर। कोटा रेल मंडल की बैठक में सांसद सुधीर गुप्ता की अनुपस्थिति में उनके प्रतिनिधि राजदीप परवाल ने मंदसौर-नीमच-जावरा संसदीय क्षेत्र की रेल समस्याओं और सुविधाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। बैठक में ट्रेनों के ठहराव, नई रेल सेवाओं, रेल लाइन सर्वे और स्टेशन विकास के प्रस्ताव रखे गए। बैठक में सुवासरा, गरोठ और शामगढ़ स्टेशनों पर इंदौर-नई दिल्ली, जयपुर-मुंबई, पुणे-जयपुर, मारू सागर, अगस्तक्रांति राजधानी, गरीब एक्सप्रेस, अजीमाबाद और पश्चिम एक्सप्रेस सहित विभिन्न ट्रेनों के ठहराव की मांग की गई। इसके अलावा कोटा-उज्जैन के बीच शाम को मेमू ट्रेन चलाने, वडोदरा-वलसाड इंटरसिटी का कोटा तक विस्तार, इटावा-कोटा ट्रेन को मंदसौर तक बढ़ाने, कोटा-इंदौर नई ट्रेन तथा मंदसौर से नई दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन शुरू करने जैसे प्रस्ताव भी रखे गए।

बैठक की महत्वपूर्ण उपलब्धि कुरलासी स्टेशन के विस्तार को मिली मंजूरी रही। यहां प्लेटफार्म, शेड और अन्य यात्री सुविधाओं के विकास के लिए बजट में राशि स्वीकृत की गई है। सांसद सुधीर गुप्ता लंबे समय से इस मांग को रेलवे के समक्ष उठा रहे थे। वहीं कोटा-रतलाम नई ट्रेन की स्वीकृति पर सांसद ने मंडल अधिकारियों के प्रति आभार जताया। शामगढ़ में मालगोदाम निर्माण की स्वीकृति वर्ष 2022-23 में ही मिल गई थी, लेकिन काम लंबित था। सांसद के लगातार प्रयासों के बाद अब इसकी टेंडर प्रक्रिया शुरू हो गई है। बैठक में सुवासरा-मंदसौर और नीमच-कोटा नई रेल लाइन के एफएलएस सर्वे की जानकारी देने तथा स्वीकृति के लिए प्रस्ताव रेलवे मंत्रालय भेजने की मांग की गई। साथ ही सुवासरा को अमृत भारत स्टेशन योजना के अगले चरण में शामिल करने और गरोठ, शामगढ़ व सुवासरा स्टेशनों पर यात्री सुविधाएं बढ़ाने का मुद्दा उठाया गया। उज्जैन में वर्ष 2028 में होने वाले सिंहस्थ को देखते हुए इन तीनों स्टेशनों पर संभावित यात्री दबाव के अनुरूप विशेष कार्ययोजना तैयार करने पर जोर दिया गया। इसके अलावा गरोठ में नई पीट लाइन बनाने, भवानीमंडी स्टेशन के नाम में भैसोदामंडी जोड़ने और संसदीय क्षेत्र में चल रहे रेलवे निर्माण कार्यों की जानकारी नियमित रूप से सांसद कार्यालय को देने की मांग भी रखी गई। राजदीप परवाल ने रेलवे अधिकारियों से क्षेत्र की लंबित मांगों पर शीघ्र कार्रवाई करने और रेल सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता देने की अपेक्षा जताई।

# मल्हारगढ़ में जन विश्वास अभियान का शिविर आज

मंदसौर। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत 20 नवंबर को मल्हारगढ़ में विशेष शिविर आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर दिव्यांक सिंह के मार्गदर्शन में होने वाले इस शिविर में आमजन की समस्याओं और शिकायतों का मौके पर ही निराकरण करने की पहल की जाएगी। शिविर के दौरान उद्यम संवाद और जन संवाद कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। इसके तहत कलेक्टर दिव्यांक सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनुकूल जैन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मल्हारगढ़ के शहरी क्षेत्र और आसपास के ग्रामीण इलाकों का भ्रमण करेंगे। अधिकारी ग्रामीणों और नगरवासियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनेंगे तथा संबंधित विभागों के माध्यम से निराकरण की कार्रवाई मौके पर ही सुनिश्चित करेंगे। अभियान का उद्देश्य प्रशासन और आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित कर लोगों को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी व्यवस्था उपलब्ध कराना है।

# कांग्रेसजनों ने सरदार पटेल और इंदिरा गांधी के योगदान को किया याद, दी श्रद्धांजलि

मंदसौर। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, शहर मंदसौर द्वारा जिला कांग्रेस कार्यालय में लौह पुरुष एवं देश के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती तथा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेसजनों ने दोनों महान नेताओं के चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं एवं उपस्थित कार्यकर्ताओं ने राष्ट्र निर्माण में सरदार पटेल के योगदान और देश की एकता-अखंडता के लिए उनके प्रयासों को याद किया। वहीं इंदिरा गांधी के नेतृत्व और देश के विकास में उनके योगदान का स्मरण किया गया। कार्यक्रम के पश्चात सरदार वल्लभभाई पटेल चौराहे पर पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर भी माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर विधायक विपिन जैन, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इष्टा भाचावत, सुरेन्द्र कुमावत, लक्ष्मण मेघनानी, सुनील गुप्ता, रमेश ब्रिजवानी, सुनीता बंडी, कैलाश मनवानी, साबिर (इलेक्ट्रीशियन), तरुण खींची, सलीम खान, राजनारायण लाड़, सुरेश भाटी, पिंकी गौड़, श्रेयांश नाहर, प्रणय धाकड़, योगेन्द्र गौड़, रूपल संचेती, अनिता भदौरिया, मंगल गवली, जयेश पालीवाल, हेमराज खाबिया, शुभम जैन, सुनीता माली सहित बड़ी संख्या में मंडलम अध्यक्ष, कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# सुवासरा में गूंजा पल्स पोलियो का संदेश, 22 नवंबर से बच्चों को पिलाई जाएगी दो बूंद जिंदगी की



मंदसौर। जिले में 22, 23 एवं 24 नवंबर को आयोजित होने वाले पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने जनजागरूकता गतिविधियां शुरू कर दी हैं। इसी कड़ी में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुवासरा में जागरूकता अभियान चलाकर ग्रामीणों को पोलियो की खुराक का महत्व बताया गया। इस दौरान टीबी मुक्त भारत अभियान एवं राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के स्टार प्रचारक जगदीश खींची ने स्वास्थ्य टीम, आशा कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों के साथ हाथों में जागरूकता पोस्टर लेकर गांव-गांव प्रचार किया। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि पांच वर्ष तक का कोई भी बच्चा पोलियो की दो बूंद दवा पीने से वंचित न रहे। खींची ने कहा कि हर जनकल्याणकारी कार्यक्रम का संदेश गांव-गांव तक पहुंचाना उनका संकल्प है। इसी उद्देश्य से वे ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं, ताकि प्रत्येक पात्र बच्चे को पोलियो की खुराक मिल सके। अभियान के लिए इंदौर संभागीय ई-स्टेट वैक्सीन स्टोर से पोलियो वैक्सीन मंदसौर जिले में पहुंचाई गई है, जिससे अभियान के दौरान टीके की उपलब्धता सुनिश्चित रहे। कलेक्टर दिव्यांक सिंह के नेतृत्व में 22 नवंबर को सुबह 8 बजे से जिलेभर में अभियान शुरू होगा। इसके तहत सभी निर्धारित पोलियो बूथों, आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूलों एवं अस्पतालों में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दो बूंद दवा पिलाई जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरके द्विवेदी एवं जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सुरेश सोलंकी सहित जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि वे 22 नवंबर को अपने बच्चों को नजदीकी पोलियो बूथ पर अवश्य ले जाएं और पोलियो की खुराक पिलवाकर अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें।

छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ
छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ




क्लासीफाईड विज्ञापन दरें
150/- रूपये प्रतिदिन 25 शब्दों तक
स्कीम
2 दिन के विज्ञापन पर 2 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
5 दिन के विज्ञापन पर 10 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
10 दिन के प्रकाशन पर 20 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
राष्ट्रीय गरिमा समाचार पत्र में विज्ञापन देकर अपने व्यापार को दें नई उड़ान
सम्पर्क करें : 8602000710, 8602000703
मात्र 1500/- रूपये में पूरे एक माह चलायें

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी उपेन्द्र तिवारी द्वारा प्रदेशवॉच मीडिया ग्रुप 11 प्रेस कम्प्लेक्स जोन 1 एमपी नगर भोपाल से मुद्रित एवं बी-14 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक : अभिमन्यु तिवारी,सहायक सम्पादक : शैलेन्द्र तिवारी।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा। ( समाचार प्रकाशन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार* ) आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक 61858/95, मो. 8602000710 , 8602000701

दैनिक
# राष्ट्रीय गरिमा
शुभ प्रभात
www.rashtriyagarima.com
भोपाल, शुक्रवार 20 नवम्बर 2026

**दिल्ली में प्रदूषण से निपटने के लिए ईवी को दिया जाएगा बढ़ावा**

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण और ग्रैप-3 की पाबंदियां हटाए जाने के बीच दिल्ली सरकार के मंत्री पंकज कुमार सिंह ने प्रदूषण नियंत्रण और स्वास्थ्य सेवाओं की तैयारियों को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण कम करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके अलावा, सरकार ने सरकारी अस्पतालों को भी सांस संबंधी बीमारियों से प्रभावित मरीजों के इलाज के लिए पहले से तैयार रहने के निर्देश दिए हैं।

**पेयजल आपूर्ति की व्यापक जल प्रबंधन योजना करें तैयार : चव्हाण**

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम और राज्यसभा सदस्य अशोक चव्हाण ने नांदेड़-वाघाला नगर निगम को अगस्त 2027 तक शहर में पेयजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक जल प्रबंधन योजना तैयार करने का निर्देश दिया है। चव्हाण ने नगर निगम मुख्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में अधिकारियों से नागरिकों की शिकायतों का तत्काल समाधान करने और रुके हुए विकास कार्यों में तेजी लाने को भी कहा है।

# एनीमिया मुक्त भारत अभियान में हरियाणा देश में रहा अव्वल

**89.2 एएमबी इंडेक्स के साथ हरियाणा ने हासिल किया पहला स्थान**




चंडीगढ़। हरियाणा ने एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के तहत देशभर में पहला स्थान हासिल किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर 2026) की रिपोर्ट में राज्य ने 89.2 का एनीमिया मुक्त भारत (एएमबी) इंडेक्स प्राप्त किया है। यह राष्ट्रीय औसत 66.2 से काफी अधिक है। हरियाणा ने यह स्थान उत्तराखंड के साथ साझा किया है। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग और शिक्षा विभाग के बीच बेहतर समन्वय तथा निरंतर प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक नागरिक, विशेषकर महिलाओं, किशोरियों और बच्चों को एनीमिया से मुक्त करना है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, हरियाणा ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 78.5 प्रतिशत के समग्र आईएफए कवरेज इंडेक्स के साथ देश में तीसरा स्थान हासिल किया था। अब दूसरी तिमाही में इसे बढ़ाकर 89.2 प्रतिशत कर दिया गया है। इस सुधार के साथ राज्य ने पहली रैंक प्राप्त की है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन हरियाणा के मिशन डायरेक्टर डॉ. आर.एस. ढिल्लों ने बताया कि बच्चों, किशोरों और माताओं सहित सभी लाभार्थी वर्गों में आयरन एवं फोलिक एसिड (आईएफए) सप्लीमेंटेशन का कवरेज बढ़ा है। दूसरी तिमाही में विभिन्न आयु वर्गों में आईएफए कवरेज में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। 6 से 59 महीने के बच्चों का कवरेज 78 प्रतिशत से बढ़कर 89.3 प्रतिशत हो गया। इसी तरह 5 से 9 वर्ष के बच्चों में यह आंकड़ा 77 प्रतिशत से बढ़कर 80.5 प्रतिशत पहुंच गया।10 से 19 वर्ष के किशोरों में आईएफए कवरेज 74.1 प्रतिशत से बढ़कर 95 प्रतिशत दर्ज किया गया। स्तनपान कराने वाली माताओं का कवरेज भी 68.2 प्रतिशत से बढ़कर 86.1 प्रतिशत हो गया। वहीं, गर्भवती महिलाओं में 95 प्रतिशत का कवरेज बरकरार रहा। प्रदेश में एनीमिया की रोकथाम और समय पर पहचान के लिए सरकार की ओर से विशेष अभियान भी चलाया जा रहा है। सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर 2026 को अंबाला से 100 दिवसीय एनीमिया न्यूनीकरण अभियान की शुरुआत की गई थी। स्टेट एनीमिया ट्रैकिंग पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार, अभियान के तहत अब तक पूरे प्रदेश में 3.56 लाख से अधिक हीमोग्लोबिन (एचबी) टेस्ट किए जा चुके हैं। अभियान में एनीमिया की जांच, समय पर उपचार, नियमित आईएफए सप्लीमेंटेशन और पोषण संबंधी परामर्श पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने इस उपलब्धि पर प्रदेशवासियों और स्वास्थ्यकर्मियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और सशक्त हरियाणा का निर्माण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

# शीतकाल में भी चारधामों के शीतकालीन पड़ावों पर जारी रहेगी पूजा-अर्चना

**मुखबा,खरसाली,ऊखीमठ में विराजेंगे आराध्य,अर्थव्यवस्था को मिलेगी संजीवनी**

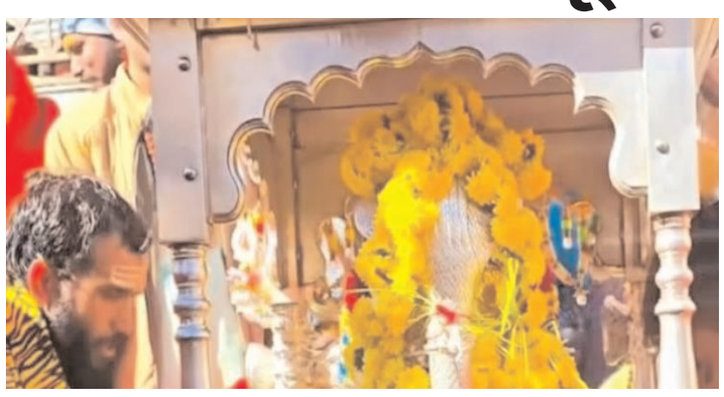

देहरादून। हिमालय की ऊंची चोटियों पर बर्फबारी और कड़ाके की ठंड के बीच उत्तराखंड के चारधामों के कपाट भले ही शीतकाल के लिए बंद हो गए हों, लेकिन इनसे जुड़ी सदियों पुरानी धार्मिक परंपराएं जारी रहेंगी। गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ के आराध्य अगले कुछ महीनों तक अपने निर्धारित शीतकालीन प्रवास स्थलों पर विराजेंगे, जहां नियमित पूजा-अर्चना, भोग और धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे। चारधाम की यह परंपरा उत्तराखंड की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का विशिष्ट स्वरूप है। इसके तहत उत्तरकाशी जिले के मुखबा और खरसाली, रुद्रप्रयाग जिले के ऊखीमठ तथा चमोली जिले के पांडुकेश्वर और ज्योतिर्मठ में शीतकाल के दौरान भी धार्मिक गतिविधियां जारी रहती हैं। मुख्य धामों में अत्यधिक बर्फबारी, तापमान में गिरावट और दुर्गम रास्तों के कारण श्रद्धालुओं की आवाजाही कठिन हो जाती है। ऐसे में कपाट बंद होने से पहले उत्सव डोलियों और धार्मिक प्रतीकों को विधि-विधान के साथ शीतकालीन प्रवास स्थलों तक पहुंचाया जाता है। गंगोत्री धाम के कपाट बंद होने के बाद मां गंगा की उत्सव डोली उत्तरकाशी जिले के मुखबा गांव पहुंचती है। भागीरथी नदी के तट पर स्थित इस गांव को मां गंगा का शीतकालीन प्रवास स्थल माना जाता है। यहां स्थित प्राचीन मंदिर में पूरे शीतकाल पूजा-अर्चना होती है। स्थानीय लोगों के लिए मां गंगा की उपासना धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसी तरह यमुनोत्री धाम के कपाट बंद होने के बाद मां यमुना की उत्सव डोली खरसाली गांव लाई जाती है। यहां शीतकाल में मां यमुना की पूजा होती है। खरसाली स्थित प्राचीन शनि मंदिर का भी विशेष धार्मिक महत्व है। स्थानीय मान्यता के अनुसार शनिदेव मां यमुना के भाई हैं और शीतकाल में उनकी देखरेख करते हैं। रुद्रप्रयाग जिले के ऊखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मंदिर भगवान केदारनाथ का शीतकालीन गद्दीस्थल है। केदारनाथ धाम के कपाट बंद होने के बाद बाबा केदार की पंचमुखी उत्सव डोली यहां पहुंचती है। इसके बाद पूरे शीतकाल ओंकारेश्वर मंदिर में भगवान केदारनाथ की पूजा-अर्चना होती है। इस परंपरा के निर्वहन में रावल और तीर्थ पुरोहितों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने के बाद भगवान बदरीविशाल से जुड़ी शीतकालीन धार्मिक परंपराएं चमोली जिले के पांडुकेश्वर और ज्योतिर्मठ में निभाई जाती हैं। पांडुकेश्वर स्थित योगध्यान बदरी मंदिर में भगवान उद्धव और कुबेर की पूजा-अर्चना होती है, जबकि ज्योतिर्मठ स्थित नृसिंह मंदिर में आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी की पूजा की जाती है। इस व्यवस्था के कारण मुख्य धामों के कपाट बंद होने के बावजूद श्रद्धालुओं के लिए दर्शन और पूजा का अवसर बना रहता है। देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु इन शीतकालीन प्रवास स्थलों पर पहुंचते हैं।

# बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों की हालत चिंताजनक : शमिक

**चिन्मय प्रभु की रिहाई के लिए शमिक भट्टाचार्य ने उठाई आवाज**




कोलकाता। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों की स्थिति और जेल में बंद हिंदू संन्यासी चिन्मय कृष्ण दास उर्फ चिन्मय प्रभु की रिहाई का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पश्चिम बंगाल प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने चिन्मय प्रभु की रिहाई की मांग करते हुए उनके धार्मिक और सामाजिक कार्यों की तुलना श्री चैतन्य देव के कार्यों से की है। उन्होंने कहा कि चिन्मय प्रभु को लंबे समय तक जेल में रखना और उनके कार्यों को नकारना वास्तव में श्री चैतन्य देव की विचारधारा को नकारने जैसा है। शमिक भट्टाचार्य ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि वहां रहने वाले घोष, बोस, मित्रा, चकमा और मतुआ समुदाय के लोग हमारे अपने हैं और आज गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं। उनके धर्माचरण में बाधा डाली जा रही है और मंदिरों में तोड़फोड़ की घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने और चिन्मय प्रभु को जल्द रिहा करने की मांग की। उल्लेखनीय है कि सोलहवीं सदी में नवद्वीप के श्री चैतन्य देव उर्फ निमाई के नेतृत्व में अविभाजित बंगाल में भक्ति आंदोलन का व्यापक प्रसार हुआ था। उनके कृष्ण प्रेम का संदेश आगे चलकर मानव प्रेम, अहिंसा और धार्मिक सद्भाव से जुड़ा। श्री चैतन्य देव ने अपने विचारों के माध्यम से हिंदू धर्म की उदार परंपरा को सामने रखा और लोगों को प्रेम तथा अहिंसा के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। इसी वैचारिक परंपरा से प्रेरित होकर इस्कॉन के संन्यासी दुनिया भर में धार्मिक सद्भाव और चैतन्य महाप्रभु के संदेशों का प्रसार करते रहे हैं। चिन्मय कृष्ण दास भी बांग्लादेश में सनातन धर्म से जुड़े संगठनों और धार्मिक गतिविधियों के माध्यम से इसी तरह के कार्य कर रहे थे। हालांकि, वर्ष 2024 में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद उन्हें देशद्रोह के मामले में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। उनकी कानूनी प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। हाल ही में उन्हें एक जेल से दूसरी जेल में स्थानांतरित किए जाने की जानकारी सामने आई है। बांग्लादेश की मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों पर प्रतिक्रिया देते हुए शमिक भट्टाचार्य ने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय विषय जरूर है, लेकिन वहां रहने वाले हिंदू समुदायों के लोगों के साथ भारत का सामाजिक और सांस्कृतिक जुड़ाव है।

# एक शहीद का घर मेरे लिए सबसे बड़ा मंदिर और तीर्थस्थल है : सिन्हा

**जम्मू-कश्मीर उपराज्यपाल ने पासिंग-आउट परेड को संबोधित किया**



जम्मू। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने उधमपुर स्थित एसकेपीए में प्रोबेशनरी पुलिस उपाधीक्षकों, प्रोबेशनरी उप-निरीक्षकों, और वन सुरक्षा बल के सहायक निदेशकों की पासिंग-आउट परेड को संबोधित किया। जम्मू-कश्मीर पुलिस के बहादुर जवानों, रशपाल कुमार और बाबी चंद को भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि उनका साहस, समर्पण और सर्वोच्च बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। उपराज्यपाल ने उनके परिवारों को भरोसा दिलाया कि पूरा देश उनके साथ मजबूती से खड़ा है और उनके कल्याण, सम्मान तथा सुरक्षा को सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उपराज्यपाल ने कहा कि एक शहीद का घर मेरे लिए सबसे बड़ा मंदिर और तीर्थस्थल है। मैं उनके परिवारों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि इस कठिन घड़ी में वे अकेले नहीं हैं। पूरा देश उनके साथ खड़ा है। यह सच है कि किसी भी मुआवजे से एक अमूल्य जीवन की भरपाई नहीं की जा सकती। फिर भी, यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम यह सुनिश्चित करें कि देश के इन बहादुर सपूतों के परिवार एक सम्मानजनक और गरिमापूर्ण जीवन व्यतीत करें। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाएगा कि उन्हें हर आवश्यक सहायता मिले, ताकि उनके बच्चों और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित और उज्ज्वल रहे। देश का हर नागरिक इन बहादुर सपूतों के साहस, समर्पण और सर्वोच्च बलिदान को नमन करता है। अपनी ट्रेनिंग सफलतापूर्वक पूरी करने वाले 74 अधिकारियों को बधाई देते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि इन समर्पित युवा अधिकारियों ने राष्ट्र सेवा का मार्ग चुना है। उन्होंने कहा कि उनकी यह उपलब्धि न केवल उनके परिवारों के लिए बल्कि पूरे केंद्र शासित प्रदेश के लिए भी गर्व का क्षण है, जो जनसेवा और साहस के इसके गौरवशाली इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ती है। नए शामिल हुए अधिकारियों को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि पुलिसिंग और पर्यावरण की सुरक्षा करना एक नेक जिम्मेदारी है, जिसके लिए त्याग, प्रतिबद्धता और कर्तव्य की गहरी भावना की आवश्यकता होती है।

# राजस्थान के कई जिलों में दिखेगा चक्रवात अकवान का असर

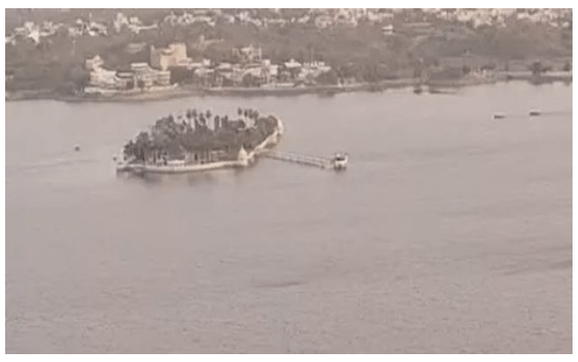

**कोटा संभाग में छाएंगे बादल,उत्तरी हवाओं से बढ़ेगी ठिठुरन**

जयपुर। बंगाल की खाड़ी में सक्रिय भीषण चक्रवाती तूफान अकवान का अप्रत्यक्ष और हल्का प्रभाव आने वाले दिनों में राजस्थान के मौसम पर भी देखने को मिल सकता है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, यद्यपि इस चक्रवात का सीधा असर राजस्थान पर नहीं पड़ेगा, लेकिन इसके प्रभाव से कोटा संभाग के मौसम में बदलाव होने की संभावना है और वहां हल्के बादल छा सकते हैं। दूसरी ओर, प्रदेश में चल रही उत्तरी हवाओं के कारण शेखावाटी क्षेत्र और बीकानेर संभाग में रात के तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है, जिससे सर्दी का असर और तेज होगा। माउंट आबू से ठंडा रहा फतेहपुर,अगले दो दिन में और बढ़ेगी सर्दी फतेहपुर में सबसे सर्द रात होगी,पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश में मौसम मुख्यत: शुष्क और साफ रहा,लेकिन रात के तापमान में गिरावट से ठिठुरन बढ़ गई है। बुधवार रात सीकर जिले के फतेहपुर में सबसे अधिक ठंड दर्ज की गई,जहां न्यूनतम तापमान 8.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। यह हिल स्टेशन माउंट आबू (10.7 डिग्री) से भी कम रहा। इसके अलावा अलवर में 10.2, चूरू में 10.9, नागौर में 11.0, करौली में 11.7 और सिरोही में 11.9 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक,20 नवंबर को चक्रवात अकवान के आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों (नेल्लोर और विशाखापट्टनम के मध्य) से टकराने की संभावना है, जिसका सीधा असर 8 राज्यों में दिखेगा। राजस्थान में अगले तीन दिन मौसम साफ रहने और तापमान में गिरावट के साथ शेखावाटी व बीकानेर संभाग में रात की सर्दी बढ़ने के आसार हैं, जबकि कोटा संभाग में अगले सप्ताह बादलवाही हो सकती है। राजधानी में मौसम सुहावना बना हुआ है। बुधवार को दिनभर आसमान साफ रहने और हल्की ठंडी हवा चलने के कारण धूप सुहावनी रही और अधिकतम तापमान 28.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। शाम होने के साथ ही ठंडक बढ़ी और रात का न्यूनतम तापमान गिरकर 16.8 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। अजमेर शहर में सुबह के समय ठंडी हवा चलने से सिहरन महसूस हुई। यहां अधिकतम तापमान 29.2 डिग्री और न्यूनतम तापमान 14.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

## उद्योगों में काम आसान करेंगे एआई रोबोट,घटेंगी कर्मचारियों की संख्या

बैंगलुरु। बैंगलुरु टेक समिट में इस बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित रोबोट आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। उद्योगों में काम करने वाले कर्मचारियों की कमी और बढ़ती लागत जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए ऐसे रोबोट प्रदर्शित किए गए हैं, जो कुछ ही मिनटों में नए कौशल सीखकर इंसानों की तरह कई तरह के काम कर सकेंगे। खास बात यह है कि इन रोबोट को अलग-अलग काम के लिए प्रशिक्षित किया जा सकता है। प्रदर्शनी में पेश किए गए एआई रोबोट की मदद से सामान उठाने, व्यवस्थित रखने, चीजों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने और सफाई जैसे काम कराए जा सकेंगे। इन रोबोट की खासियत यह है कि इन्हें बार-बार प्रोग्राम करने की जरूरत नहीं होगी। सामान्य निर्देश देकर इन्हें काम समझाया जा सकेगा। इसके बाद ये उसी के अनुसार काम करने में सक्षम होंगे। रोबोट में एआई तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जिससे वे आसपास के वातावरण को समझकर काम कर सकेंगे। किसी विशेष काम के लिए अलग-अलग कौशल सीखने की सुविधा भी दी गई है।



राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, शुक्रवार 20 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com



## सम्पादकीय

### शतरंज में शानदार शतक

2019 के बाद से 35 भारतीय खिलाड़ी ग्रैंडमास्टर बने हैं। इस दौरान डी. गुकेश विश्व चैंपियन बने और भारत ने 2024 में शतरंज ओलिंपियाड में स्वर्ण पदक जीता। यह सचमुच गर्व की बात है। दीपावली के दिन अनुज श्रीवात्री भारत के 100वें ग्रैंडमास्टर बने। ऐसी उपलब्धि हासिल करने वाला भारत चौथा देश बना है। अब सिर्फ रूस, अमेरिका, और जर्मनी ही के पास भारत से अधिक ग्रैंडमास्टर हैं। जर्मनी से भारत का फासला अब सिर्फ तीन ग्रैंडमास्टर्स का बचा है। शतरंज में भारत की यह अनूठी उपलब्धि है। इस यात्रा में भारत कितनी तेजी से आगे बढ़ रहा है, इसका अंदाजा इससे ही लगाया जा सकता है कि जहां पहले दस ग्रैंडमास्टर बनने में 15 साल लगे थे, वहीं पिछले दस ग्रैंडमास्टर सिर्फ एक साल में बने हैं। दरअसल, 2025 से 2026 में अब तक 15 भारतीय खिलाड़ियों ने ग्रैंडमास्टर का दर्जा हासिल कर लिया है। 1988 में विश्वनाथन आनंद पहले खिलाड़ी थे, जिन्होंने यह दर्जा हासिल किया। उन्हें आज भी वह प्रेरणा-स्रोत समझा जाता है, जिन्होंने भारतीय नौजवानों को विश्व स्तर पर सर्वोच्च पहचान बनाने का आत्म-विश्वास दिया। अब आत्म-विश्वास से भरे ऐसे खिलाड़ियों की एक पूरी फौज तैयार हो चुकी है। आनंद का विश्व चैंपियन बनना तब एक अद्भुत सफलता मालूम पड़ी थी, जबकि आज ऐसी कामयाबियां सामान्य अनुभव का हिस्सा बनने लगी हैं। यह विडंबना ही है कि हाल के वर्षों में हुई तेज प्रगति का एक प्रमुख कारण कोरोना महामारी के दौरान लॉकडाउन को माना जाता है। शतरंज के मामले में उन मुसीबतज़दा दिनों का प्रभाव बिल्कुल अलग रहा। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर शतरंज की लोकप्रियता में तब भारी वृद्धि देखी गई। घरों में रह कर लाखों बच्चों और युवाओं ने ऑनलाइन शतरंज सीखा और खेला। इस डिजिटल बूम ने प्रतिभाओं निखारने में मदद की। इसका श्रेय भारतीय शतरंज संघ और निजी अकादमियों को भी दिया जाएगा, जिन्होंने महामारी के दौरान ऑनलाइन कोचिंग और वर्चुअल टूर्नामेंटों को बढ़ावा दिया। नतीजा, ये उपलब्धियां हैं। 2019 के बाद से 35 भारतीय खिलाड़ियों ने ग्रैंडमास्टर का दर्जा प्राप्त किया है। इस दौरान डी. गुकेश विश्व चैंपियन बने और भारत ने 2024 में शतरंज ओलिंपियाड में स्वर्ण पदक जीता। शरतंज में मुकाबला विकसित देशों के साथ होता है, इसलिए यह सचमुच गर्व की बात है कि भारत इसमें सुपरपॉवर बनने की दिशा में बढ़ रहा है।

# सत्ता में हैं, पर रील बना रहे हैं!

**हरिशंकर व्यास**



नरेंद्र मोदी बारह वर्षों से प्रधानमंत्री हैं। भाजपा नंबर एक राजनीतिक शक्ति है। संघ और मोदी के इतिहास, विचारधारा और कामकाज पर भारतीय तथा विदेशी विद्वानों ने अपनी तह जाना, लिखा भी है। बावजूद इसके सोचें कि क्या संघ और मोदी की कहानी ने देश-दुनिया में वैसी साहित्यिक और मानवीय उत्सुकता पैदा की है जैसी नेहरू-गांधी परिवार की कहानी ने की है? निश्चित ही संघ की कहानी अलग है। वहाँ शाखाएँ हैं, प्रचारक हैं, अनुशासन है, विचारधारा है, संगठन का विस्तार है। सरसंघचालक बदलते हैं, जबकि उत्तराधिकार परिवार में नहीं चलता। निजी संबंधों के बजाय संगठनात्मक संबंध महत्वपूर्ण हैं। जाहिर है संघ की कहानी राजनीतिक और संस्थागत इतिहास अधिक होगी, न कि पारिवारिक गाथा। ऐसे ही मोदी की कहानी भी अलग है।

मुझे ध्यान नहीं कि सोनिया गांधी ने कभी अपनी रील बनाई या डॉ. मनमोहन सिंह ने बनाई। अटल बिहारी वाजपेयी ने भी रील नहीं बनाई। भारत के प्रधानमंत्री पहले कभी अपने मुँह मियाँ मिट्ठू नहीं बनते थे। भाषणों का भौकाल नहीं बनाते थे। शायद इसलिए कि पावर से बनी उनकी आभा अपने आप लोगों में, दर्शकों, पाठकों, बौद्धिकों, लेखकों, सभी समझदारों के दिलो-दिमाग में उतरती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी अब सौ वर्ष पुराना संगठन है। नरेंद्र मोदी बारह वर्षों से प्रधानमंत्री हैं। भाजपा नंबर एक राजनीतिक शक्ति है। संघ और मोदी के इतिहास, विचारधारा और कामकाज पर भारतीय तथा विदेशी विद्वानों ने अपनी तह जाना, लिखा भी है। बावजूद इसके सोचें कि क्या संघ और मोदी की कहानी ने देश-दुनिया में वैसी साहित्यिक और मानवीय उत्सुकता पैदा की है जैसी नेहरू-गांधी परिवार की कहानी ने की है? निश्चित ही संघ की कहानी अलग है। वहाँ शाखाएँ हैं, प्रचारक हैं, अनुशासन है, विचारधारा है, संगठन का विस्तार है। सरसंघचालक बदलते हैं, जबकि उत्तराधिकार परिवार में नहीं चलता। निजी संबंधों के बजाय संगठनात्मक संबंध महत्वपूर्ण हैं। जाहिर है संघ की कहानी राजनीतिक और संस्थागत इतिहास अधिक होगी, न कि पारिवारिक गाथा। ऐसे ही मोदी की कहानी भी अलग है। साधारण पृष्ठभूमि से निकला व्यक्ति संघ का प्रचारक बना। भाजपा का संगठनकर्ता हुआ। गुजरात का मुख्यमंत्री बना और फिर प्रधानमंत्री। इसमें नाटकीयता कम नहीं है। बावजूद इसके सभी तरह के लेखकों द्वारा लिखी गई जीवनियों, पुस्तकों में क्या झलकता है? प्रोपेगेंडा, जुमलों की हवाबाजी और वह भदेस अंदाज जिससे पाठक के आगे मानो सब कुछ प्रायोजित ढंग से प्रस्तुत। मतलब सिक्के के दोनों पहलू एक से। नेहरू-गांधी परिवार की कहानी को उसके समर्थकों के साथ विरोधियों ने भी जीवित रखा। नेहरू की नीतियों पर आलोचना हुई। इंदिरा के आपातकाल पर पुस्तकें लिखी गईं। कांग्रेस के वंशवाद पर बहस हुई। सोनिया के विदेशी मूल को मुद्दा बनाया गया। हर विवाद से परिवार के बारे में नई चर्चा पैदा हुई। मोदी और संघ के बारे में भी प्रशंसा और आलोचना है। मगर उसमें स्वतंत्र शोध, प्रचारात्मक लेखन, राजनीतिक विश्लेषण और निजी संस्मरण का अनुपात क्या है, इससे अपने आप विषय बेमतलब हुआ पड़ा है। विडंबना और मजे की बात यह है कि प्रधानमंत्री मोदी के अच्छे दिनों के वादे के साथ संघ परिवार ने अपनी प्रस्तुति में उन्हीं के तौर-तरीकों (पालतू मीडिया, सोशल मीडिया, भक्तों के कीर्तन आदि) को अपनाया जिससे परिवार का व्यवहार ले-देकर सत्ता के पिछलग्गू होने का बना है। सोचे, 140 करोड़ लोगों के शासन के मौजूदा प्रतिनिधि मोदी शासन और संघ परिवार दोनों अपनी रील बना कर अपने को क्या बतलाते हुए हैं। अपने कथित कर्तव्य पथ और ताकत दिखावे के पथ संचलनों की उनकी रील, पोस्ट और ट्वीट से ही उनकी कहानी है? क्या सावरकर या गोलवलकर या पंडित मदनमोहन मालवीय, करपात्री जैसे किसी भी नेहरू विरोधी चेहरे ने अपना ऐसा कोई भोंडापन, मजाक बनवाया?

## राशिफल



मेष : कारोबार में सफलता मिलेगी और कोर्ट-कचहरी के मामलों में जीत होगी। सेहत पहले से अच्छी रहेगी। प्रेम और संतान का पक्ष मजबूत है, व्यापार भी बढ़िया चलेगा।

वृषभ : भाग्य साथ देगा और यात्रा का योग है। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। प्रेम और संतान की स्थिति अच्छी रहेगी और व्यापार भी ठीक चलेगा।

मिथुन- चोट लगने या किसी परेशानी में फँसने की आशंका है। हालात अनुकूल नहीं हैं, इसलिए सावधानी से दिन बिताएँ। प्रेम और संतान का साथ बना रहेगा।

कर्क : जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा और उनके साथ अच्छा समय बीतेगा। सेहत, प्रेम और व्यापार, तीनों की स्थिति बहुत अच्छी है।

सिंह : शत्रुओं पर आपका दबदबा रहेगा। सेहत पहले से बेहतर होगी, प्रेम और संतान का साथ मिलेगा और व्यापार में तरक्की होगी। बस छोटी-मोटी शारीरिक तकलीफें बनी रह सकती हैं।

कन्या : प्रेम संबंधों में अपनापन बढ़ेगा, पर भावनाओं पर थोड़ा काबू रखना होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है और कारोबारी स्थिति भी ठीक रहेगी। कोई शुभ संकेत भी मिल रहा है।

तुला : घर या आसपास कलह के हालात बन सकते हैं, लेकिन भूमि, भवन या वाहन की खरीदारी का योग भी है। प्रेम और संतान की स्थिति मध्यम रहेगी।

वृश्चिक : आपका पराक्रम रंग लाएगा और रोजगार में तरक्की मिलेगी। सेहत अच्छी रहेगी, प्रेम और संतान की स्थिति बेहतर होगी और व्यापार भी अच्छा चलेगा।

धनु : आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। प्रेम और संतान का साथ मिलेगा और कारोबार भी ठीक रहेगा। फिलहाल निवेश करने से बचें।

मकर : स्वभाव में सौम्यता और व्यक्तित्व में आकर्षण बढ़ेगा। जरूरत की चीजें समय पर उपलब्ध रहेंगी। प्रेम और संतान का साथ बना रहेगा और व्यापार भी अच्छा रहेगा। उपाय- शनिदेव को प्रणाम करें।

कुंभ : बढ़ते खर्च से मन परेशान रहेगा और चिंता बनी रह सकती है। फिर भी प्रेम, संतान और व्यापार की स्थिति अच्छी रहेगी।

मीन : आय के नए साधन मजबूत होंगे और पुरानी आर्थिक स्थिति भी सुधरेगी। यात्रा का योग है और कोई शुभ समाचार मिल सकता है। प्रेम और संतान का साथ बना रहेगा।

# भारत की प्रमुख कौशल विकास योजना को कैग ने दिया अकुशलता का प्रमाण पत्र!

**रमेश कुमार**




जुलाई 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद पेश किए गए पहले बजट में कौशल विकास को एक प्रमुख केंद्र-बिंदु माना गया था और स्किल इंडिया कार्यक्रम की घोषणा की गई थी। सरकार का तर्क यह था कि भारतीय श्रम बल, विशेषकर युवाओं, में उद्योग की ज़रूरतों के अनुसार कौशल की कमी है और यही कारण है कि लोगों को रोज़गार नहीं मिल पा रहा है। इसके बाद, रोजगार-आकांक्षी उम्मीदवारों के कौशल को सुधारने के लिए कई योजनाएं घोषित की गईं। जुलाई 2015 में, सरकार ने बड़े धूमधाम से एक प्रमुख कार्यक्रम, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) की शुरुआत की। इस योजना का उद्देश्य युवाओं को अल्पकालिक प्रशिक्षण (एसटीटी) के माध्यम से उद्योग-प्रासंगिक प्रशिक्षण देना और पहले से अर्जित कौशल को पूर्व-प्रशिक्षण मान्यता (आरपीएल) के माध्यम से प्रमाणित करना था। वर्ष 2015 से 2022 के दौरान केंद्र सरकार ने कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय की प्रमुख योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, के तहत 10,194 करोड़ रूपये जारी किए। इसके पहले तीन चरणों में, यह जानकारी दी गई कि 1.37 करोड़ लोगों को प्रशिक्षित किया गया और 1.10 करोड़ लोगों को प्रमाणित किया गया। लिखित रूप में यह 1.32 करोड़ के अपने लक्ष्य के करीब था। 2016 से, इस योजना को मुख्य रूप से राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के माध्यम से लागू किया गया, जिसे 75 प्रतिशत राशि दी गई, जबकि 25 प्रतिशत राशि राज्य कौशल मिशनों को दी गई। हाल ही में, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने इस योजना का एक लेखा परीक्षा निष्पादित किया है, जिसे वर्ष 2025 की रिपोर्ट संख्या 20 के रूप में पटल पर रखा गया, जो यह दिखाता है कि इन आंकड़ों के पीछे का रिकॉर्ड कितना लचर है। समग्र स्थिति एक ऐसे कार्यक्रम की है, जो प्रमाण पत्र तैयार करने में बहुत माहिर हो गया है, लेकिन इससे कितना कौशल पैदा हुआ या नौकरियां मिलीं, यह बिल्कुल स्पष्ट नहीं होता। इस लेखा परीक्षा में मंत्रालय, एनएसडीसी और आठ राज्य के साथ 90 प्रशिक्षण केंद्रों का निरीक्षण शामिल था। बिना खाका प्रशिक्षण रिपोर्ट का पहला मुख्य निष्कर्ष यह है कि इस योजना की कोई रणनीति नहीं थी। मंत्रिमंडल को 2015 में बताया गया था कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना एक निरंतर चलने वाली योजना होगी, जिसके लक्ष्य कौशल में कमी के अध्ययन पर आधारित होंगे। फिर भी मंत्रालय ने कोई दीर्घकालिक योजना तैयार नहीं की, और 2020 में राष्ट्रीय कौशल विकास योजना में जो वादा किया गया था, उसे कभी पूरा ही नहीं किया गया। अंकेक्षित आठ राज्यों में से केवल दो के पास ही राज्य-स्तरीय योजनाएं थीं। परिणामस्वरूप, प्रशिक्षण के प्रयास वास्तविक जरूरतों से भटक गए। कौशल विकास और उद्यमिता पर राष्ट्रीय नीति (2015) के अनुसार, नई कौशल मांग का 60 प्रतिशत से अधिक पांच क्षेत्रों में था = निर्माण, रसद, सौंदर्य और कल्याण, फर्नीचर और पर्यटन। लेकिन इन क्षेत्रों को पीएमकेवीवाई प्रशिक्षण का केवल 22.7 प्रतिशत प्राप्त हुआ। अकेले निर्माण क्षेत्र में मांग कुल अनुमानित मांग का 28 प्रतिशत थी, लेकिन उसे लगभग तीन प्रतिशत प्रमाणन ही मिले। इस दौरान, परिधान, इलेक्ट्रॉनिक्स और खुदरा क्षेत्र की अनुमानित आवश्यकता दस प्रतिशत से भी कम थी, लेकिन इसकी तुलना में इसने 40 प्रतिशत से अधिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। विभिन्न क्षेत्रों में, प्रयास केवल एक ही नौकरी की भूमिका पर केंद्रित थे। दस में से नौ ग्रीन रोजगार प्रमाण पत्र सफ़ाई कर्मचारियों के लिए थे, और दो-तिहाई प्रबंधन प्रमाण पत्र बिना हथियार वाले सुरक्षा गार्डों के लिए थे। जुलाई 2022 में मंत्रालय ने स्वयं एनएसडीसी को बताया कि बाजार की मांग का आकलन किए बिना नौकरी की भूमिकाएं चुनना रोजगार के खराब रिकॉर्ड का मुख्य कारण था। किसको प्रशिक्षण मिला? इस योजना को उन बेरोजगार युवाओं और बीच में पढ़ाई छोड़ने वाले लोगों तक पहुंचना था, जो प्रत्येक पद के लिए निर्धारित न्यूनतम आयु और योग्यता को पूरा करते थे। व्यवहार में, प्रशिक्षण की नामांकन प्रणाली ने दोनों में से किसी की भी जांच नहीं की। कैग ने पाया कि 6.54 लाख ऐसे उम्मीदवार थे, जो अपने पद के लिए निर्धारित न्यूनतम आयु से कम थे। इनमें 18 वर्ष से कम आयु के 1,142 ऐसे व्यक्ति शामिल थे, जिन्हें ड्राइवर और शॉफर के पदों के लिए प्रमाणित किया गया था, जिसके लिए कानूनी रूप से लाइसेंस की आवश्यकता होती है। आठ लाख से अधिक उम्मीदवारों के पास अपने पदों के लिए आवश्यक न्यूनतम शिक्षा नहीं थी। पहले से ही तकनीकी योग्यताओं की आवश्यकता वाले पदों के लिए, प्रमाणित लोगों में से 85 प्रतिशत के पास वे योग्यताएँ नहीं थीं। न ही पंजीकरण प्रणाली यह दर्ज कर पाई कि कोई उम्मीदवार बेरोजगार था या पढ़ाई छोड़ चुका था, इसलिए यह जाँचने का कोई उपाय नहीं था कि यह योजना अपने लक्षित समूह तक पहुँची या नहीं। जब अंकेक्षकों ने योजना के वर्तमान चरण, पीएमकेवीवाई 4.0 के आंकड़ों की जाँच की, तब भी समस्याएँ जस की तस थीं = अक्टूबर 2024 तक, और 1.18 लाख कम-उम्र उम्मीदवारों को प्रमाणित कर दिया गया था। अविश्वसनीय आंकड़ें इस योजना का पूरा प्रबंधन स्किल इंडिया पोर्टल के माध्यम से किया गया था = उम्मीदवारों का नामांकन, प्रशिक्षकों और मूल्यांकनकर्ताओं को नियुक्त करना, परिणाम दर्ज करना, प्रमाण पत्र जारी करना और भुगतान करना। इसलिए यह पोर्टल इस योजना के नियमों को लागू करने का मुख्य साधन था, और इसके आंकड़ों की स्थिति दर्शाती है कि उन नियमों का कितनी अच्छी तरह से पालन कराया गया है! अंकेक्षण में पता चला कि पोर्टल में पहले से मौजूद जांच प्रणाली को चुपचाप कमजोर कर दिया गया था, और उनकी जगह कुछ नहीं दर्ज किया गया था। बैंक खाते = दूसरे और तीसरे चरण के 95.9 लाख उम्मीदवारों में से 94.5 प्रतिशत के मामले में बैंक खाता विवरण शून्य, लागू नहीं, उपलब्ध नहीं, या खाली था। जहां नंबर दर्ज किए गए थे, उनमें से कुछ साझा किए गए थे = एक ही खाते का उपयोग 2,000 से अधिक उम्मीदवारों के लिए किया गया था, और 1111111111 जैसी प्रविष्टियां आम थीं। ईमेल पते = 5,000 से अधिक उम्मीदवारों के लिए 53 बार एक ही ई-मेल पते का उपयोग किया गया। प्रशिक्षक की आईडी = 61 लाख प्रमाणित उम्मीदवारों वाले बैचों में प्रशिक्षक की आईडी ही नहीं थी या 0 थी। आंकड़ें रखने की कोई नीति नहीं = आंकड़ों को सुरक्षित रखने की कोई नीति बिल्कुल नहीं थी। कैग को लाभार्थियों के अपने ऑनलाइन सर्वे में असफलता मिली = एक तिहाई से अधिक ईमेल वापस आ गए। लगभग 34 लाख प्रमाणित उम्मीदवारों को उनसे किए गए 500 रूपये के पारितोषिक का भुगतान कभी नहीं हुआ। उत्तर प्रदेश ने अपने 74,000 राज्य-घटक उम्मीदवारों में से किसी को भी कोई पारितोषिक नहीं दिया। इस पूरी अवधि में, मंत्रालय का मुख्य तर्क यह था कि प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से किया गया भुगतान यह साबित करता है कि प्रशिक्षण वास्तविक था। लेकिन कैग ने इस तर्क को खारिज किया है। रिपोर्ट में कहा गया है, अंकेक्षण का यह दृष्टिकोण है कि आधार से जुड़े खातों में भुगतान से यह स्वत: सुनिश्चित नहीं होता कि भुगतान वास्तविक उम्मीदवारों को किया गया था, हालांकि मंत्रालय ने प्रशिक्षण के संचालन के प्रमाण के रूप में पूरी तरह से इसी तरीके पर भरोसा किया [पैरा 2.4.2.2]। उद्योग में सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता के मामलों में, कैग इस बात को दोहराता है कि = उम्मीदवारों को किया गया भुगतान प्रशिक्षण के संचालन या सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता के रूप में एजेंसी के अस्तित्व का प्रमाण नहीं बनता है [पैरा 3.8.1]। पूर्व-प्रशिक्षण मान्यता और सर्वश्रेष्ठ नियोक्ताओं के बारे में जून 2018 में इस योजना की संचालन समिति ने अल्पकालिक प्रशिक्षण लक्ष्यों को कम कर दिया और पूर्व-प्रशिक्षण मान्यता (आरपीएल) के लक्ष्यों को 40 लाख से बढ़ाकर लगभग 68 लाख कर दिया। बैठकों के विवरण में मुख्य कारण धन को बताया गया है। मूल प्रशिक्षण लक्ष्यों को पूरा करने के लिए 6,600 करोड़ रुपयों की अतिरिक्त आवश्यकता थी, जबकि इसकी तुलना में मौजूदा कामगारों को प्रमाणित करना काफी सस्ता था। तीसरे चरण के अंत तक, आरपीएल की हिस्सेदारी सभी प्रमाणपत्रों में से लगभग आधी थी। सबसे गंभीर निष्कर्ष एक आरपीएल चैनल, सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता के साथ आरपीएल से संबंधित हैं। इसका उद्देश्य बड़े और प्रतिष्ठित नियोक्ताओं को बिना औपचारिक प्रशिक्षण के अपने कर्मचारियों को प्रमाणित करने की अनुमति देना था। इसके लिये पात्रता नियमों में ढील दी गई, और परिणाम चौंकाने वाले थे। नीलिमा मूविंग पिक्चर्स एक अपंजीकृत एकल स्वामित्व वाली फर्म थी, जिसके लिंक्डइन पेज पर दो से दस कर्मचारी दर्ज थे। इसने आठ राज्यों में 33,493 कर्मचारियों को अभिनेता, एनिमेटर और संपादक के रूप में प्रमाणित किया। बिहार और उत्तर प्रदेश में बैचों के लिए सबूत के तौर पर वही तस्वीरें सामने आईं, और जब अंकेक्षकों ने इस फर्म खोजना चाहा, तब तक फर्म अस्तित्व में नहीं थी। रजिस्ट्रार ऑफ़ कंपनीज़ द्वारा रेडिएट डिज़ाइन्स का नाम काट दिया गया था और उसने 2014-15 से कोई विवरण दाखिल नहीं किया था। इसने मीडिया की नौकरियों के लिए 15,218 लोगों को प्रमाणित किया। इसका पता एक ऐसी दुकान का निकला, जिस पर कोई बोर्ड नहीं था, और इस दुकान का वास्तविक व्यवसाय प्रदर्शनी के स्टॉल बनाना था। जयपुर कल्चरल सोसाइटी ने 56,203 लोगों को प्रमाणित किया। इसके द्वारा सौंपी गई अखबार की कतरनों में स्थान और तारीख बदलने के लिए फेरबदल किया गया था, जिनमें से एक तारीख 31 फ़रवरी 2020 थी! इस तरह, केवल चार नियोक्ताओं ने ही मिलकर 1.24 लाख लोगों को प्रमाणित कर दिया और कम से कम 9.96 करोड़ रूपयों की फीस हड़प ली। जो जाँच इस गड़बड़ी को पकड़ सकती थी, वह भी नाकाम रही। एनएसडीसी की निरीक्षण रिपोर्टों में अलग-अलग बैचों के लिए एक ही तस्वीरों का बार-बार उपयोग किया गया। स्पष्टीकरण मांगने पर, रिपोर्ट के अनुसार, लागू करने वाली एजेंसियों ने बताया कि तस्वीरों में दिखाये गए लोग एक ही परिवार के भाई थे (3 बैच), या अपलोड करने की प्रक्रिया के दौरान तस्वीरें आपस में मिल गई होंगी (18 बैच) [पैरा 3.8.3.1]। एक निरीक्षक का एक ही दिन में आठ राज्यों का दौरा करने और उन्नीस निरीक्षण पूरे करने का रिकॉर्ड दर्ज किया गया था, और 84 प्रतिशत निरीक्षण रिपोर्टों में कोई जियो-टैग नहीं था।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, शुक्रवार 20 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com



# खानपान से जुड़ी कुछ आदतें आपकी किडनी के लिए खतरनाक हो सकती हैं?

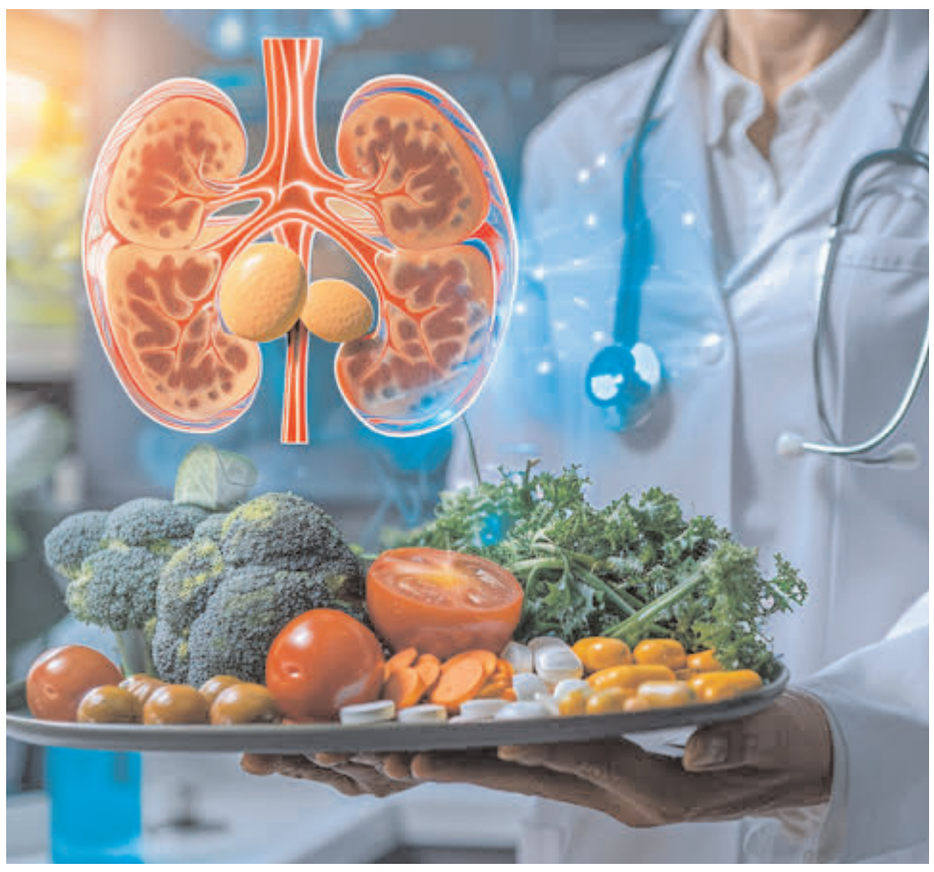

क्या आपको पता है कि खानपान से जुड़ी कुछ आदतें आपकी किडनी के लिए खतरनाक हो सकती हैं? आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर अपनी डाइट पर ध्यान नहीं देते, जिसका नतीजा किडनी स्टोन जैसी गंभीर समस्या के रूप में सामने आ सकता है। अगर आप पहले से ही इस बीमारी से परेशान हैं या इससे बचना चाहते हैं, तो इन 5 फूड्स से थोड़ा परहेज करना शुरू कर दें।

### नमकीन चीजें

भारतीय खाने में नमक का इस्तेमाल बहुत होता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ज्यादा नमक आपकी किडनी पर भारी पड़ सकता है? नमक में मौजूद सोडियम शरीर में कैल्शियम की मात्रा को बढ़ा देता है, जिससे किडनी में कैल्शियम जमा होने लगता है और पथरी बनती है। चिप्स, पैकेट बंद स्नैक्स, अचार और पैकेज्ड फूड से दूरी बनाना समझदारी होगी।

### चॉकलेट, पालक और नट्स

यह सुनकर हैरानी होगी, लेकिन आपकी पसंदीदा चॉकलेट, पालक और कई तरह के नट्स (जैसे बादाम, मूंगफली) किडनी स्टोन का कारण बन सकते हैं। इनमें ऑक्सलेट नाम का एक कंपाउंड होता है, जो कैल्शियम के साथ मिलकर पथरी बनाता है। इसका मतलब यह नहीं कि आप इन्हें खाना बिल्कुल छोड़ दें, बल्कि इन्हें कम मात्रा में खाएं। खासकर अगर आपको पहले से ही किडनी स्टोन की शिकायत रही है।

### सोडा और शुगरी ड्रिंक्स

कोल्ड ड्रिंक्स, सोडा और अन्य शुगरी ड्रिंक्स न सिर्फ वजन बढ़ाते हैं बल्कि आपकी किडनी को भी नुकसान पहुंचाते हैं। इनमें फास्फोरस और फ्रुक्टोज कॉर्न सिरप होता है, जो पथरी बनने की प्रक्रिया को तेज करता है। इनकी जगह सादा पानी, नींबू पानी या नारियल पानी पीना कहीं ज्यादा बेहतर है।

### प्रोसेस्ड फूड्स

आजकल के बिजी लाइफस्टाइल में हम अक्सर पिज्जा, बर्गर और अन्य प्रोसेस्ड फूड्स पर निर्भर रहते हैं। इनमें भरपूर मात्रा में सोडियम, शुगर और अनहेल्दी फैट होता है, जो सीधे तौर पर किडनी को नुकसान पहुंचाता है। ये फूड्स शरीर में एसिडिक माहौल बनाते हैं, जो पथरी को बढ़ावा देता है।

- खूब पानी पिएं : सबसे आसान और कारगर उपाय है खूब सारा पानी पीना। इससे किडनी में जमा होने वाले हानिकारक तत्व बाहर निकल जाते हैं।
- बैलेंस डाइट : अपनी डाइट में फल, सब्जियां और दालें शामिल करें।
- डॉक्टर की सलाह : अगर आपको पहले से ही किडनी स्टोन की समस्या है, तो डॉक्टर या डाइटिशियन से सलाह जरूर लें।

जब बात हेल्दी नाश्ते की आती है, तो सबसे पहला नाम ओट्स का आता है। जिम जाने वाले से लेकर डाइटिंग करने वाले तक, हर कोई इसे बेझिझक खाता है। इसे सेहत का खजाना कहा जाता है, जो वजन घटाने से लेकर दिल को मजबूत रखने तक में मदद करता है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि हेल्दी माना जाने वाला यह नाश्ता कुछ लोगों के लिए नुकसानदेह भी हो सकता है? जी हां, ओट्स हर किसी के फायदेमंद नहीं हैं । ऐसे में, कुछ खास तरह के लोगों को इन्हें खाने से बचना चाहिए, वरना फायदे की जगह नुकसान उठाना पड़ सकता है।

### पाचन संबंधी समस्या वाले लोग

अगर आपको गैस, सूजन या पेट फूलने जैसी पाचन संबंधी समस्याएं अक्सर रहती हैं, तो ओट्स आपके लिए सही नहीं हैं। ओट्स में फाइबर बहुत ज्यादा होता है, जिसे पचाने में पेट को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। अगर आपका पाचन तंत्र कमजोर है, तो यह फाइबर आपकी समस्या को और बढ़ा सकता है।

### ग्लूटेन इंटॉलरेंस वाले लोग

बाजार में मिलने वाले ज्यादातर ओट्स में ग्लूटेन की मात्रा होती है। अगर आपको ग्लूटेन से एलर्जी है या आप सेलिएक रोग से पीड़ित हैं, तो आपको ओट्स खाने से बचना चाहिए। ग्लूटेन आपके पाचन तंत्र में सूजन पैदा कर सकता है और कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है।

### आयरन की कमी वाले लोग

ओट्स में फाइटिक एसिड होता है, जो शरीर में आयरन के अवशोषण को रोक सकता है। अगर आपके शरीर में पहले से ही आयरन की कमी है या आप एनीमिया से पीड़ित हैं, तो ओट्स खाने से आपकी यह समस्या और बढ़ सकती है।

### किडनी की बीमारी वाले लोग

किडनी के मरीजों को अक्सर फॉस्फोरस और पोटेशियम को सीमित मात्रा में लेने की सलाह दी जाती है। ओट्स में ये दोनों मिनरल्स अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं। इसलिए, किडनी की बीमारी वाले लोगों को डॉक्टर की सलाह के बिना ओट्स का सेवन नहीं करना चाहिए।

### जिनकी डाइट में सिर्फ ओट्स होते हैं

कुछ लोग सोचते हैं कि सिर्फ ओट्स खाकर वजन तेजी से कम कर सकते हैं, लेकिन यह एक बड़ी गलती है। किसी भी एक चीज़ पर निर्भर रहना आपके शरीर को जरूरी पोषक तत्वों से वंचित कर सकता है। केवल ओट्स खाने से आपके शरीर को प्रोटीन, विटामिन और अन्य मिनरल्स नहीं मिल पाते, जिससे कमजोरी और थकान महसूस हो सकती है अनार किसी सुपरफूड से कम नहीं है और ये हम यूं ही नहीं कह रहे हैं। लाल-लाल रसीले दानों से भरा ये फल एंटी-ऑक्सीडेंट्स, विटामिन और मिनरल्स का खजाना है। इसलिए यह सेहत के लिए काफी



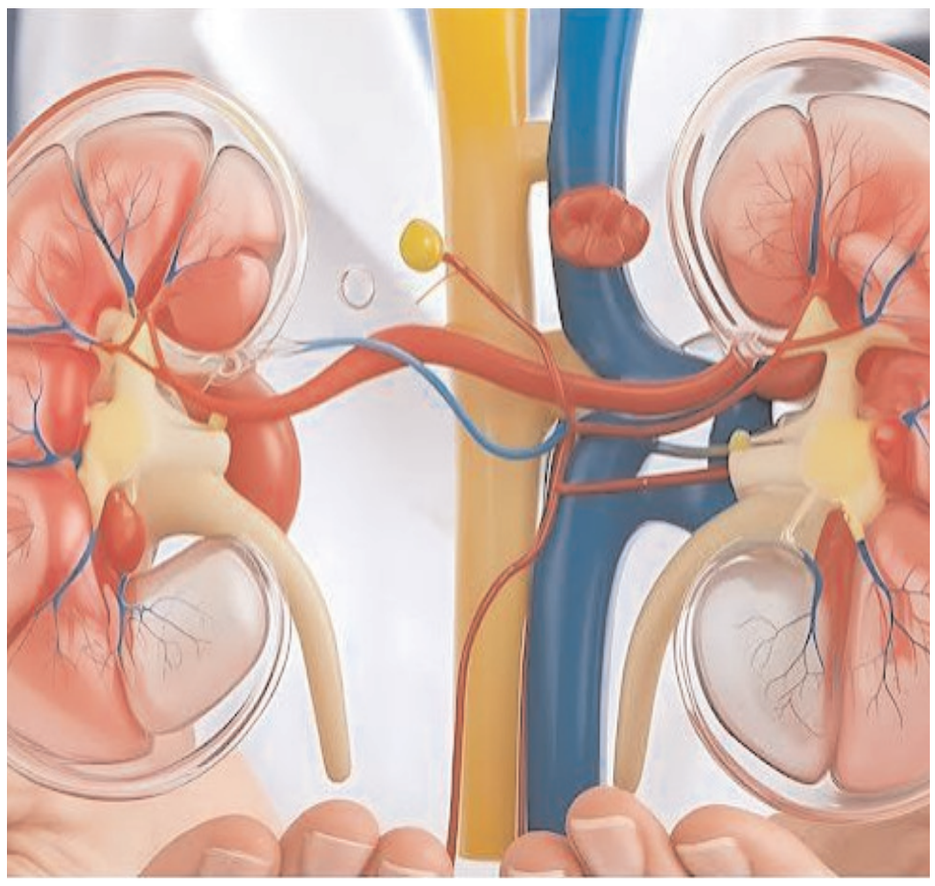

फायदेमंद होता है। लेकिन क्या आपको ये पता है कि अगर आप रोज सुबह खाली पेट अनार का जूस पीना शुरू कर दें, तो आपकी सेहत को कितना फायदा मिल सकता है? जी हां, अनार का जूस रोज सुबह खाली पेट पीने से शरीर में पोषक तत्व तेजी से अब्जॉर्ब होते हैं और सेहत में सुधार होता है

### खून की कमी दूर करता है

अनार आयरन का बेहतरीन सोर्स है, जो खून में हीमोग्लोबिन के लेवल को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है। इसलिए सुबह खाली पेट अनार का जूस पीने से आयरन का अब्जॉर्प्शन बेहतर होता है, जो एनीमिया यानी खून की कमी से जूझ रहे लोगों के लिए वरदान साबित हो सकता है। यह शरीर में रेड ब्लड सेल्स के प्रोडक्शन को बढ़ाता है, जिससे थकान और कमजोरी दूर होती है और रीर में एनर्जी बनी रहती है।

### दिल को स्वस्थ रखता है

अनार का जूस दिल के लिए किसी टॉनिक से कम नहीं है। इसमें पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो ब्लड वेसल्स को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। यह बैड कोलेस्ट्रॉल के ऑक्सीडाइजेशन को कम करता है, जिससे आर्टरीज में प्लाक जमने का खतरा कम होता है। इसलिए नियमित रूप से अनार का जूस पीने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में मदद मिलती है. जो बदले में हार्ट डिजीज का रिस्क कम करता है।

### पाचन तंत्र में सुधार

सुबह खाली पेट अनार का जूस पीने से आपका पाचन तंत्र दिनभर के लिए तैयार हो जाता है। यह प्राकृतिक रूप से फाइबर से भरपूर होता है, जो कब्ज जैसी समस्याओं को दूर करने और पाचन क्रिया को सुचारू बनाए रखने में मदद करता है। यह आंतों के स्वास्थ्य को भी बढ़ावा देता है, जिससे पोषक तत्वों का अब्जॉर्प्शन बेहतर होता है।

### इम्युनिटी बढ़ती है

अनार विटामिन-सी और अन्य एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है। इसलिए खाली पेट इसे पीने से ये पोषक तत्व शरीर की इम्युनिटी को तेजी से ब?ते हैं। यह शरीर को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाता है, जिससे आप कई तरह के इन्फेक्शन और बीमारियों से सुरक्षित रहते हैं।

### स्किन पर ग्लो आता है

अनार के जूस में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स न सिर्फ स्वास्थ्य के लिए, बल्कि आपकी त्वचा के लिए भी फायदेमंद हैं। यह कोलेजन प्रोडक्शन को बढ़ावा देता है, जिससे त्वचा फ्लेक्सिबल और जवां बनी रहती है। रोजाना खाली पेट इसे पीने से त्वचा की रंगत सुधरती है और उसमें नेचुरल ग्लो आता है। यह मुंहासे और एजिंग के लक्षणों को भी कम करने में मदद करता है।

### वजन घटाने में मदद

जो लोग अपना वजन कम करना चाहते हैं, उनके लिए अनार का जूस एक बेहतरीन विकल्प है। यह कम कैलोरी वाला और फाइबर से भरपूर ड्रिंक है, जिसे सुबह पीने से पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस होता है। यह मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाने में भी मदद करता है, जिससे शरीर को तेजी से फैट बर्न करने में सहायता मिलती है।

# विटामिन-सी से भरपूर 5 फूड्स



इम्यून सिस्टम को सुपर स्ट्रॉन्ग बनाने में मदद करेंगे विटामिन-सी से भरपूर 5 फूड्स विटामिन-सी शरीर के लिए बेहद जरूरी होता है। सिर्फ सर्दी-खांसी भगाने वाला एक आम विटामिन नहीं, बल्कि हमारे शरीर की बीमारियों से लड़ने वाली सेना का असली सुपरहीरो है। जी हां, इसकी कमी आपको कई बीमारियों के करीब ले जा सकती है। ऐसे में, वक्त रहते बॉडी में नजर आने वाले कुछ लक्षणों को पहचानकर आप भी अपने इम्यून सिस्टम को सुपर स्ट्रॉन्ग बना सकते हैं। आइए, जानें कौन-से 5 फूड्स इस मामले में आपकी मदद करेंगे।

### विटामिन-सी की कमी के लक्षण

अगर आप इनमें से कोई भी लक्षण महसूस कर रहे हैं, तो सावधान हो जाएं और तुरंत अपनी डाइट पर ध्यान दें।

- बार-बार बीमार पड़ना- यह सबसे बड़ा संकेत है। अगर आप अक्सर सर्दी, खांसी या फ्लू की चपेट में आते हैं, तो इसका मतलब है कि आपका इम्यून सिस्टम कमजोर हो रहा है।
- थकान और कमजोरी- बिना किसी खास वजह के लगातार थकान महसूस होना और ऊर्जा की कमी होना भी विटामिन-सी की कमी का लक्षण हो सकता है।
- मसूड़ों से खून आना और दांतों का हिलना- विटामिन-सी हेल्दी मसूड़ों और मजबूत दांतों के लिए भी बेहद जरूरी है। इसकी कमी से मसूड़ों में सूजन आ सकती है और उनसे खून बह सकता है।
- त्वचा का रूखापन और घावों का धीरे भरना- विटामिन-सी कोलेजन के प्रोडक्शन में खास भूमिका निभाता है, जो त्वचा की सेहत के लिए जरूरी है। इसकी कमी से त्वचा रूखी और बेजान दिख सकती है, और चोट या कटने पर घाव भरने में ज्यादा समय लग सकता है।
- जोड़ों में दर्द और सूजन- गंभीर मामलों में, विटामिन-सी की कमी जोड़ों में दर्द और सूजन का कारण बन सकती है।
- बालों का रूखा होना और दो मुंहे बाल- हेल्दी बालों के लिए भी विटामिन-सी जरूरी है। इसकी कमी से बाल कमजोर और बेजान हो सकते हैं।

### इम्यून सिस्टम को स्ट्रॉन्ग बनाएंगे 5 विटामिन-सी रिच फूड्स

अच्छी बात यह है कि विटामिन-सी की कमी को दूर करना बहुत आसान है। बस अपनी डाइट में इन 5 शानदार फूड्स को शामिल करें और देखें कैसे आपका शरीर बीमारियों से लड़ने के लिए तैयार हो जाता है।

### संतरा

संतरा सिर्फ स्वादिष्ट ही नहीं, बल्कि विटामिन-सी का सबसे बेहतरीन और आसानी से मिलने वाला सोर्स है। एक मीडियम आकार का संतरा आपकी डेली विटामिन-सी की जरूरत का एक बड़ा हिस्सा पूरा कर सकता है। इसे नाश्ते में, स्नैक के रूप में या जूस बनाकर पी सकते हैं।

### आंवला

यह छोटा सा हरा फल विटामिन-सी से भरपूर होता है, खासकर भारतीय घरों में इसे सदियों से इम्युनिटी बूस्टर के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। आप इसे कच्चा खा सकते हैं, इसका जूस पी सकते हैं या मुरब्बा और चटनी के रूप में भी सेवन कर सकते हैं।

### नींबू

नींबू सिर्फ खाने का स्वाद ही नहीं बढ़ाता, बल्कि विटामिन-सी का भी एक उत्कृष्ट स्रोत है। सलाद पर निचोड़ें, पानी में मिलाकर पिएं, या अपनी सब्जियों में डालें। यह आपकी विटामिन-सी की जरूरतों को पूरा करने का एक आसान और कारगर तरीका है।

### शिमला मिर्च

क्या आप जानते हैं कि लाल और पीली शिमला मिर्च में संतरे से भी ज्यादा विटामिन-सी हो सकता है? इन्हें आप सलाद में, सब्जियों में या पास्ता में डालकर खा सकते हैं। ये न सिर्फ आपकी डिश को रंगीन बनाते हैं, बल्कि आपको भरपूर विटामिन-सी भी देते हैं।

### अमरूद

अमरूद एक और फल है जो विटामिन-सी से भरपूर होता है। यह पेट के लिए भी बहुत अच्छा होता है और इसे कच्चा या सलाद में खाया जा सकता है। एक मीडियम शेप का अमरूद आपको भरपूर विटामिन-सी दे सकता है।

# भावनाओं को जाहिर न कर पाना कैसे परेशानी की वजह बन सकता है

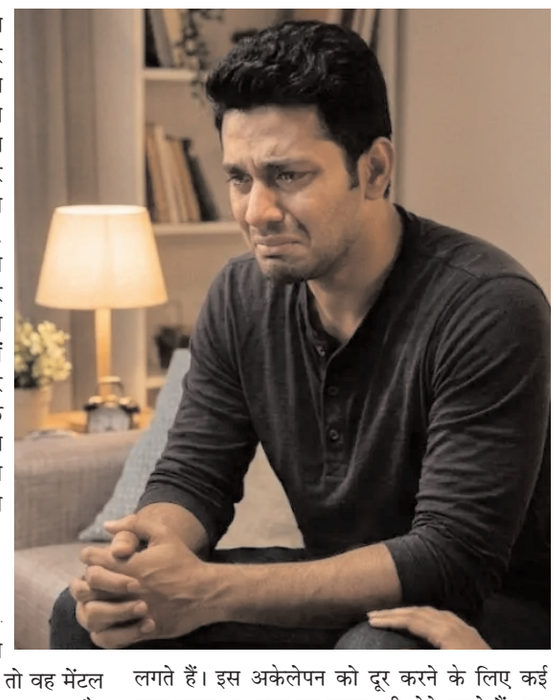

समाज में पुरुषों पर भावनाओं को न दिखाने का दबाव उनकी मानसिक और शारीरिक सेहत पर बुरा असर डाल रहा है। हमार समाज में काफी समय से ये धारणा बनी हुई है कि मर्द को रोना शोभा नहीं देता या रोते हुए मर्द कमजोर कहलाते हैं। बचपन से ही लड़कों को सिखा दिया जाता है कि मजबूत बनें, आंसू न बहाएं और अपनी भावनाओं को काबू में रखें। यही सीख वो अपने अंदर बैठा लेते हैं और बड़े होने के बाद भी अपनी भावनाओं को खुलकर जाहिर नहीं कर पाते हैं। भावनाओं को जाहिर न कर पाना उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर काफी गहरा प्रभाव डालता है। आइए जानें अपनी भावनाओं को जाहिर न कर पाना कैसे परेशानी की वजह बन सकता है।

### कैसे परेशानी बन सकती है ये आदत?

जब कोई व्यक्ति लगातार अपनी भावनाओं को दिल में दबाकर रखता है, तो वह मेंटल और फिजिकल हेल्थ पर काफी असर डालता है। इमोशन्स को दबाने से डिप्रेशन, एंग्जायटी और क्रॉनिक स्ट्रेस जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कई बार ये आत्महत्या जैसे कदम उठाने का कारण भी बन जाता है। इमोशन्स को दबाकर रखने की वजह से फिजिकल हेल्थ पर भी असर होता है। इसके कारण ब्लड प्रेशर बढ़ना, दिल की बीमारियां, इनसोम्निया और कमजोर इम्युनिटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

### रिश्तों में दूरी

जब पुरुष अपनी बात अपने पार्टनर, परिवार या दोस्तों के सामने शेयर नहीं कर पाते, तो इससे कम्युनिकेशन गैप भी पैदा होता है, जो रिश्तों में दूरियों की वजह बन सकता है और वे अकेला महसूस करने लगते हैं। इस अकेलेपन को दूर करने के लिए कई पुरुष शराब या ड्रग्स का सहारा भी लेने लगते हैं। इस वजह से स्थिति और बिगड़ जाती है।

### मानसिकता को बदलने की जरूरत

आज की जरूरत है कि इस सोच को बदला जाए। ये समझना जरूरी है कि रोना, डरना, दुखी होना ये सभी आम भावनाएं हैं, जो हर व्यक्ति महसूस करता है। इसे कमजोरी की निशानी नहीं मान सकते। माता-पिता को बचपन से ही अपने बच्चे को सिखाना चाहिए कि वो अपनी भावनाओं को खुलकर उनके सामने बयां कर सकते हैं। समाज और दोस्तों के बीच भी ऐसे माहौल की जरूरत है, जहां पुरुष बिना किसी झिझक के अपने दिल की बात कह सकें, ताकि वो अपनी भावनाओं को दबाने पर मजबूर न हो।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली



# भारतीय लोकतंत्र हमारे लिए पवित्रः चुनाव के बहिष्कार का सोच भी नहीं सकते

**राहुल गांधी ने यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो में संवाद कार्यक्रम में कही यह बात**



न्यूयॉर्क,(ईएमएस)। राहुल गांधी ने यह बात गुरुवार को यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो में प्रोफेसर रॉबर्ट पेप के साथ हुए संवाद में कहा कि भारतीय लोकतंत्र हमारे लिए पवित्र है। मेरे लिए यह कहना भी मुश्किल है कि भारतीय लोकतंत्र में कोई समस्या है। अगर हमने चुनावों का बॉयकॉट करने का फैसला किया, तो उसी पल भारतीय लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। राहुल ने कहा कि हम लोकतंत्र को खत्म नहीं करना चाहते। हमारी स्ट्रैटजी है कि हम लड़ें और भारत के लोगों को बताएं कि देश में क्या चल रहा है। विपक्ष को चुनावी प्रक्रिया में काफी नुकसान उठाना पड़ा है। इसके बावजूद चुनाव का बहिष्कार नहीं करेंगे। राहुल गांधी दो दिवसीय अमेरिका के दौरे पर हैं। बुधवार को उन्होंने कोलंबिया यूनिवर्सिटी के एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। हम जानबूझकर चुनावी बहिष्कार का कदम नहीं उठा रहे हैं और हमें भरोसा है। चुनाव आयोग खुद अब अंदर से हमें जानकारी दे रहा है। इसलिए यह ढांचा कब ढहेगा, यह सिर्फ समय की बात है। चुनाव आयोग में वरिष्ठ लोग अब कह रहे हैं कि हम यह और नहीं कर सकते। हम गैर-लोकतांत्रिक भारत स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। यह सिर्फ कांग्रेस पार्टी की बात नहीं है। यह भारत के अधिकांश लोगों की भावना है। उन्होंने कहा कि विपक्ष यह तय करेगा कि लोगों की बिना डर अपनी बात कहने की सबसे बड़ी ताकत फिर से बहाल हो। यह ताकत आगे भी भारत की सबसे बड़ी शक्ति बनी रहेगी। हम यह लड़ाई लड़ रहे हैं और मुझे यह कहते हुए खुशी है कि हम यह लड़ाई जीत रहे हैं। राहुल ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव भी वैध नहीं थे। 2024 के चुनाव में मतदाता अवैध थे। कई फर्जी मतदाता थे। ऐसे में चुनाव वैध कैसे हो सकते हैं। मैं फिर बताऊंगा कि एक ब्राजीलियाई महिला, जो कभी भारत नहीं आई, उसने भारत में एक विधानसभा चुनाव में 23 बार मतदान किया। राहुल गांधी ने मजाकिया अंदाज में कहा कि अगर आप दिल्ली में रहते हैं, तो आपके पास समय नहीं है। मैं अपने घर में एयर प्यूरीफायर लगवा रहा हूं, क्योंकि मुझे दिनभर सिरदर्द रहता है। दिल्ली जैसे शहरों में प्रदूषण की वजह से जितने लोग परेशानियां झेल रहे हैं, वह बेहद चिंताजनक है। छोटे-छोटे बच्चों को फेफड़ों की बीमारियां हो रही हैं। लोग कैंसर जैसी बीमारियों से मर रहे हैं। इजराइल से भारत के संबंधों से जुड़े सवाल पर राहुल ने कहा कि अक्टूबर में इजराइल में जो कुछ हुआ, मैं उसकी निंदा करता हूं। मुझे लगता है कि वह बेहद भयावह था। ऐसा कभी नहीं होना चाहिए था, लेकिन गाजा में जो कुछ हो रहा है, मैं उसकी भी कड़ी निंदा करता हूं। किसी एक पक्ष की गलती को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दोनों ही गलतियों की निंदा होनी चाहिए।



मास्को के रेड स्कवायर में बर्फबारी का आनंद लेते हुए लोग।

## ईरान के इशारे पर ट्रंप-बाइडेन की हत्या की रची साजिश

**पाकिस्तानी नागरिक को 27 साल की कैद**

वॉशिंगटन। अमेरिका की एक अदालत ने एक पाकिस्तानी नागरिक को पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन सहित अन्य लोगों की हत्या की साजिश रचने के आरोप में 27 साल 6 महीने की कड़ी जेल की सजा सुनाई है। यह खौफनाक साजिश ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के निर्देश पर रची गई थी। 17 नवंबर को अमेरिकी फेडरल कोर्ट द्वारा सुनाए गए इस फैसले को अमेरिका में ईरान समर्थित आतंकी साजिशों के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कानूनी कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है। इस संबंध में अमेरिकी अटॉर्नी जनरल ने कहा कि ईरान के लिए काम करने वाला यह व्यक्ति राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या की योजना को आगे बढ़ाने के मकसद से अमेरिका आया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिकी न्याय विभाग देश के शीर्ष नेताओं के खिलाफ विदेशी आतंकवादी साजिशों को बर्दाश्त नहीं करेगा और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को कानून के कटघरे में लाने तक कार्रवाई जारी रखेगा। एक अन्य अमेरिकी अटॉर्नी ने इस सजा के बाद कहा कि यह व्यक्ति दोबारा अमेरिका में किसी हमले की योजना बनाने की स्थिति में नहीं रहेगा। उन्होंने ईरान, उसके समर्थित संगठनों और विदेशों में सक्रिय उसके नेटवर्क को चेतावनी दी कि अमेरिकी लोकतंत्र या निर्वाचित प्रतिनिधियों को निशाना बनाने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। राष्ट्रीय सुरक्षा विभाग के एक अधिकारी ने इस साजिश के पीछे ईरान की आईआरजीसी को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि यह कार्रवाई ईरान के सैन्य कमांडर कासिम सुलेमानी की जनवरी 2020 में अमेरिकी हमले में हुई हत्या का बदला लेने के मकसद से की गई थी। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के न्यूयॉर्क, डलास, ह्यूस्टन, टाम्पा, शिकागो और बोस्टन फील्ड ऑफिस और अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा एजेंसी सहित विभिन्न जांच एजेंसियों की प्रभावी कार्रवाई के कारण यह साजिश नाकाम हो गई।

## संक्षिप्त समाचार

### ईरान का अमेरिकी ठिकानों पर हमला- मध्य-पूर्व में सैन्य टकराव तेज

तेहरान । मध्य-पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य टकराव फिर तेज हुआ है। ईरान ने कुवैत स्थित एक अमेरिकी हवाई अड्डे और बहरीन में कई ठिकानों को टारगेट किया। तेहरान ने इन हमलों को अमेरिका द्वारा ईरान के केश्म आईलैंड पर की गई सैन्य कार्रवाई का जवाब बताया है। हालांकि, कुवैती सेना के जनरल स्टाफ ने पुष्टि की कि कुवैत में अली अल सलेम एयर बेस को ड्रोन से निशाना बनाया गया था, लेकिन उसके एयर डिफेंस सिस्टम ने सभी हमलों को सफलतापूर्वक रोका। इसी तरह, बहरीन में भी बुधवार सुबह हवाई हमले के सायरन बजे और सेना ने दावा किया कि उसने कई ईरानी हवाई हमलों को सफलतापूर्वक नाकाम किया। यह जवाबी कार्रवाई अमेरिकी लड़ाकू विमानों द्वारा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में ईरान के केश्म आईलैंड पर की गई सैन्य कार्रवाई के बाद हुई है, जिसमें रिवोल्यूशनरी गार्ड के मिसाइल लांच साइट को निशाना बनाया गया था। वहीं, अमेरिका ने कहा था कि उसकी यह कार्रवाई बहरीन में अपने रडार प्रतिष्ठान पर हुए ईरानी हमले के जवाब में थी। इस तरह दोनों पक्षों द्वारा एक-दूसरे की सैन्य कार्रवाइयों के जवाब में हमले किए जा रहे हैं, जिससे क्षेत्र में तनाव बढ़ रहा है। ताजा हमलों पर अमेरिकी सेना की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। इस बीच, होर्मुज स्ट्रेट में तेल टैंकरों पर भी हमले जारी हैं, जो क्षेत्रीय अस्थिरता को और बढ़ाते हैं। बुधवार को लाइबेरिया के झंडे वाले कच्चे तेल के टैंकर एमटी नेविग-8 मेसी पर फारस की खाड़ी में प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ। हालांकि, जहाज पर सवार तीन भारतीय नाविकों समेत पूरा चालक दल सुरक्षित है। इससे पहले, 16 नवंबर को पनामा के झंडे वाले एलपीजी टैंकर एमटी तारा गैस पर और 12 नवंबर को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के पास कच्चे तेल से भरे एक अन्य टैंकर पर भी हमला हुआ था, जिसमें भारतीय नाविक सुरक्षित रहे थे।

### पाकिस्तानी सेना देश की प्राकृतिक संपदा का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए कर रही

जेनेवा। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने पाकिस्तान की सेना पर तीखा हमला बोला। भारत के राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने आरोप लगाया कि पाकिस्तानी सेना देश की प्राकृतिक संपदा का इस्तेमाल जनता की भलाई के बजाय अपने फायदे के लिए कर रही है। प्राकृतिक संसाधनों पर संयुक्त राष्ट्र के एक सत्र में बोलते हुए हरीश ने पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर की उस तस्वीर का जिक्र किया, जिसमें वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को खनिज पत्थरों से भरा लकड़ी का बॉक्स दिखाते नजर आ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय राजदूत हरीश ने कहा कि पिछले साल सितंबर में मुनीर विदेशी नेताओं को खनिज पत्थरों से भरा बॉक्स दिखा रहे थे। यह प्राकृतिक संसाधनों के दोहन में पाकिस्तानी सेना की सीधी भूमिका का संकेत है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के लोगों का भला तभी होगा, जब वहां के असली शासक यानी सेना देश के संसाधनों का इस्तेमाल जनता के हित में करेगी, न कि अपना फायदा बढ़ाने के लिए। राष्ट्रपति ट्रंप के साथ आसिम मुनीर और पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ की मुलाकात के दौरान व्हाइट हाउस ने एक तस्वीर जारी की थी। इसमें मुनीर ट्रंप को दुर्लभ खनिजों से भरा बॉक्स देते दिखे थे, जबकि शहबाज पीछे खड़े थे। पाकिस्तान अमेरिका से निवेश हासिल करने के लिए अपने खनिज भंडार को सामने रख रहा था। इसी दौरान पाकिस्तानी सेना से जुड़ी फ्रंटियर वर्क्स ऑर्गनाइजेशन ने अमेरिकी कंपनी यूएस स्ट्रेटेजिक मेटल्स के साथ रणनीतिक खनिजों की खोज के लिए 500 मिलियन डॉलर का समझौता किया था। अक्टूबर 2025 में पाकिस्तान ने अमेरिका को दुर्लभ और अहम खनिजों की पहली खेप भी भेजी थी। हरीश ने खनिज संपदा पर सेना के नियंत्रण को खैबर पख्तूनख्वा में प्रांतीय सरकार हटाने और गवर्नर शासन लगाने से भी जोड़ा। इस इलाके में सोने समेत कई खनिजों के भंडार हैं। उन्होंने कहा कि भारत में खनन कंपनियों को स्थानीय समुदायों के विकास के लिए फंड देना होता है। अंत में उन्होंने पाकिस्तान की सेना को पड़ोसी देशों में तनाव फैलाना बंद करने की नसीहत दी और कहा कि इसका नुकसान अब पाकिस्तान को ही उठाना पड़ रहा है।

### नेतन्याहू के लिए बढ़ी मुसीबत, विरोधी खेमे का बन गया स्पीकर

तेलअवीव। इजरायल की संसद (नेसेट) में नए स्पीकर का चुनाव प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिए नई तरह की मुश्किलें लेकर आया है। इस चुनाव में मतन कहाना को स्पीकर चुना गया, जो नेतन्याहू के विरोधी गादी आइजनकोट के लिए फायदेमंद साबित होने वाला है। दरअसल, मतन कहाना पूर्व सैन्य प्रमुख गादी आइजनकोट के करीबी माने जाते हैं, ऐसे में उनका स्पीकर पद पर बैठना गादी को निश्चित तौर पर फायदा देगा। 120 सदस्यीय नेसेट में जब स्पीकर पद का चुनाव हुआ, तो कहाना के पक्ष में कुल 66 वोट पड़े, वहीं नेतन्याहू की लिकुड पार्टी के उम्मीदवार ओफिर काट्ज को सिर्फ 52 वोट ही मिल सके। ऐसे में स्पीकर पद के चुनाव का नतीजा विपक्षी खेमे के लिए बड़ी जीत साबित हुआ। आइजनकोट अभी नेतन्याहू की अंतरिम सरकार की जगह नई सरकार बनाने की कोशिश में लगे हुए हैं, और इजरायली नेसेट में स्पीकर का पद काफी असरदार होता है, जो इस कवायद में उन्हें फायदा पहुंचाएगा। इजरायली संसद में स्पीकर ही कार्यवाही का कार्यक्रम तय करता है और कानूनों पर वोटिंग का समय भी निर्धारित करता है। मतन कहाना के चुने जाने से विपक्ष को नेतन्याहू के पुराने फैसलों को चुनौती देने या रोकने का मौका मिल सकता है। 54 साल के मतन कहाना पहले स्पेशल फोर्सेज में रह चुके हैं, यही वजह है कि वे गादी आइजनकोट से पुराने समय से परिचित हैं। वे आज से ही नेतन्याहू के कुछ अहम फैसलों को पलटने की दिशा में काम शुरू कर सकते हैं, जो नेतन्याहू की अपनी सत्ता बचाने की कोशिशों के लिए बुरा साबित हो सकता है। इजरायल में 27 अक्टूबर को हुए चुनाव के बाद से सियासी खींचतान शुरू हो गई थी। विपक्षी गादी आइजनकोट के गठबंधन को 48 सीटें मिलीं, जबकि नेतन्याहू के गुट को 53 सीटें मिलीं। दो अरब बहुल पार्टियों ने मिलकर 19 सीटें हासिल कीं। यह नेतन्याहू की कठोर दक्षिणपंथी सरकार के खिलाफ एक असामान्य नतीजा था। स्पीकर चुनाव में दोनों अरब पार्टियों ने कहाना का समर्थन किया, जिसने उनकी जीत तय की।

### पाकिस्तान में पेट्रोल 3 रुपये प्रति लीटर हुआ सस्ता

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने महंगाई से परेशान आम जनता को राहत देकर पेट्रोल की कीमतों में कटौती की है। शाहबाज सरकार ने पेट्रोल के दाम करीब 3 रुपये प्रति लीटर घटाकर 325 पाकिस्तानी रुपये किए हैं। हालांकि, डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नई दरें 18 नवंबर से लागू हो गई हैं। ऑयल एंड गैस रेगुलेटरी अथॉरिटी (ओगरा) की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक, हाई स्पीड डीजल की कीमत 358 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमतों में लगातार 11वीं कटौती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी को इसका प्रमुख कारण माना जा रहा है। अमेरिका के तेल और ईंधन भंडार में बढ़ोतरी के संकेतों के बाद वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव आया है। इसके पहले अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध और मध्य पूर्व में तनाव के कारण पाकिस्तान में पेट्रोल-डीजल के दाम रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गए थे। युद्ध शुरू होने से पहले 28 फरवरी को पाकिस्तान में हाई स्पीड डीजल करीब 281 रुपये और पेट्रोल लगभग 260 रुपये प्रति लीटर था। इसके बाद 3 अप्रैल को डीजल की कीमत बढ़कर 520.35 रुपये और पेट्रोल 458.41 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गई थी। इससे आम लोगों के साथ परिवहन और कारोबार पर भी भारी दबाव पड़ा था। पाकिस्तान सरकार पेट्रोलियम उत्पादों पर भारी टैक्स भी वसूलती है। रिपोर्ट के मुताबिक, पेट्रोल पर करीब 114 रुपये और डीजल पर 100 रुपये प्रति लीटर टैक्स एवं शुल्क लगाया जा रहा है। शाहबाज सरकार ने ईंधन की बढ़ती कीमतों से राहत देने के लिए 2 नवंबर को 30 दिनों की एक विशेष व्यवस्था भी घोषित की थी।

## ट्रंप की परमाणु चेतावनीः एक बार आ गए, छोड़ना मुश्किल

बीजिंग। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के शेनझेन में आयोजित एपेक शिखर सम्मेलन के दौरान एक अभूतपूर्व त्रिपक्षीय वार्ता में अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ मुलाकात की। महत्वपूर्ण बैठक में, ट्रंप ने परमाणु निरस्त्रीकरण की जटिलता पर बल देकर बड़ी टिप्पणी की। उन्होंने कहा, एक बार जब परमाणु हथियार आ जाते हैं, तब उन्हें छोड़ना असंभव होता है। यह वार्ता अमेरिका, रूस और चीन के नेताओं के बीच पहली ऐसी त्रिपक्षीय बैठक थी, इस राष्ट्रपति ट्रंप ने स्वयं इतिहास रचने वाला पल बताया। उन्होंने इस बात पर खुशी जाहिर की कि उनकी यात्रा ने तीनों देशों के प्रमुखों को एक साथ आने का मौका दिया। ट्रंप ने कहा, हम तीनों के पास चर्चा करने के लिए बहुत कुछ है और हम काफी बातचीत कर भी चुके हैं। दुनिया के तीन सबसे बड़े देशों के राष्ट्रपतियों के तौर पर, हमारी एक विशेष जिम्मेदारी है कि हम उन मुद्दों पर खुली, सम्मानजनक और सार्थक बातचीत जारी रखें, जिनका प्रभाव न केवल हमारे अपने लोगों पर, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ता है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन असहमति या मतभेदों के बावजूद अन्य देशों के साथ बातचीत करने में विश्वास रखता है।

## एलिस जासूस नहीं, बेहद खूबसूरत हैं- ट्रंप का जेनसन हुआंग मामले पर बयान

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेनसन हुआंग की चीनी प्रेमिका एलिस हुआंग के जासूस होने के दावों को सिरे से खारिज किया है। राष्ट्रपति ट्रंप के मुताबिक, एलिस जासूस नहीं बल्कि केवल एक चिप कारोबारी हैं, और उनका मानना है कि चीन से आने वाली हर खूबसूरत महिला को जासूस मान लेना एक गलत धारणा है। एक इंटरव्यू के दौरान ट्रंप ने स्पष्ट किया कि उन्हें एलिस के जासूस होने की बात कभी सुनने को नहीं मिली। उन्होंने कहा, वह एक महिला थीं। वह एक खूबसूरत महिला थीं और चीन से आने वाली किसी भी खूबसूरत महिला को वे जासूस समझ लेते हैं।

## एनवीडिया बोर्ड ने जेन्सन हुआंग की सीईओ पद पर वापसी ठुकराई

बीजिंग। दुनिया की प्रमुख एआई चिपमेकर कंपनी एनवीडिया के बोर्ड ने सह-संस्थापक जेन्सन हुआंग को दोबारा मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बनाने के उनके अनुरोध को सर्वसम्मति से खारिज कर दिया है। हुआंग ने पिछले सप्ताह अपने पद से इस्तीफा देने के बाद शीर्ष पद पर लौटने की इच्छा जताई थी, लेकिन बोर्ड ने उनका इस्तीफा सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया है। अब कंपनी नए सीईओ की तलाश कर रही है, जिसके लिए आंतरिक और बाहरी दोनों उम्मीदवारों पर विचार किया जाएगा। फिलहाल, मुख्य वित्तीय अधिकारी अंतरिम सीईओ की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। कंपनी के बोर्ड के चेयरमैन ने स्पष्ट किया कि एनवीडिया बोर्ड ने सर्वसम्मति से हुआंग का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है और उन्हें फिर से सीईओ बनाने का कोई इरादा नहीं है। चेयरमैन ने हुआंग के इस्तीफे से जुड़ी परिस्थितियों पर बात करने से इनकार कर दिया, लेकिन कहा कि सही समय आने पर और जानकारी दी जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि बोर्ड चयन प्रक्रिया को बहुत गंभीरता से लेगा और इसमें कोई जल्दबाजी नहीं की जाएगी, जब तक कि बिल्कुल सही व्यक्ति नहीं मिल जाता। जेन्सन हुआंग ने अपने फर्स्ट रिएक्शन में कहा था कि अगर उन्हें दोबारा कंपनी की कमान सौंपने का फैसला लिया जाता है, तो यह उनके लिए सम्मान की बात होगी। उन्होंने माना था कि गलतियां हुई हैं, लेकिन कंपनी में वापस लौटने पर गर्व होगा। हालांकि, बोर्ड के फैसले ने उनकी वापसी की सभी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। यह उल्लेखनीय है कि हुआंग ने पिछले सप्ताह कथित तौर पर विवाहेतर संबंधों के आरोपों के बाद इस्तीफा दिया था। इनमें एक मामला ऐसी महिला से जुड़ा था जिस पर चीन के लिए जासूसी करने और एनवीडिया की प्रतिबंधित चिप्स को चीन तक पहुंचाने में मदद करने का संदेह है।

## ईयू ने रूस की सबसे धनी महिला, बाकालचुक पर लगाए प्रतिबंध

मॉस्को। यूरोपीय संघ (ईयू) ने रूस की सबसे धनी महिला और ऑनलाइन रिटेलर वाइल्डबेरीज की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) तात्याना बाकालचुक पर प्रतिबंध लगाए हैं। यह कदम रूस की सेना को सैन्य और दोहरे उपयोग वाले सामानों की आपूर्ति करके समर्थन देने के आरोपों के बाद उठाया गया है, जो रूसी युद्ध प्रयासों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई है। इन प्रतिबंधों के तहत, तात्याना की यूरोप में स्थित सभी संपत्तियां फ्रीज कर दी जाएंगी, और उन्हें यूरोपीय संघ में वित्तीय लेनदेन या यात्रा की अनुमति नहीं होगी। लगभग 8.1 बिलियन डॉलर की अनुमानित नेटवर्थ वाली तात्याना, सिर्फ वाइल्डबेरीज की मालकिन ही नहीं, बल्कि रूस की सबसे अमीर महिला भी हैं। ईयू अधिकारियों के अनुसार, वाइल्डबेरीज रूस की सबसे बड़ी करदाताओं में से एक है और वह रूसी सैन्य तथा रक्षा उद्योग को कई तरीकों से मदद करती है। दोहरे इस्तेमाल का अर्थ उन वस्तुओं से है जिनका उपयोग नागरिक और सैन्य दोनों उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। यूरोपीय संघ ने यह प्रतिबंध सिर्फ तात्याना तक सीमित नहीं रखा है, बल्कि 50 बैंकों, तेल निर्यात में मदद करने वाली कंपनियों और लगभग 100 कारोबारियों, प्रचारकों तथा रूस के बड़े हैकिंग समूहों पर भी प्रतिबंध लगाए हैं।

## पुतिन-ट्रंप-शी की प्रस्तावित मुलाकात पर सबकी निगाहें



बीजिंग। चीन के शेनझेन में चल रहे एशिया-पैसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन (एपेक) सम्मेलन में दुनिया की तीन बड़ी शक्तियों - अमेरिका, चीन और रूस के बीच कूटनीतिक हलचल तेज हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपने संबोधनों में क्षेत्रीय स्थिरता, आर्थिक सहयोग और वैश्विक शांति को प्राथमिकता देने की बात कही। यह दिलचस्प है कि खुद अमेरिका इस वक्त कई युद्धों में फंसा है और शांति दूत जैसी बातें कर रहा है। जब दुनिया यूक्रेन युद्ध और मध्य पूर्व में जारी तनाव से जूझ रही है, तभी हो रहे इस सम्मेलन में अब सबकी निगाहें ट्रंप, शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की प्रस्तावित त्रिपक्षीय मुलाकात पर टिकी हैं।

दोनों नेताओं के संबोधन के बाद अब सबकी नजरें व्लादिमीर पुतिन के साथ होने वाली मुलाकात पर हैं। ट्रंप ने शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन के साथ तीन पक्षों की इस बैठक को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि वह इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। जानकारों का मानना है कि इस सम्मेलन में यूक्रेन युद्ध, मध्य पूर्व का संकट, वैश्विक व्यापार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रणनीतिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर गहन चर्चा हो सकती है। ऐसे में दुनियाभर की नजरें किलिन विला जैसे हाईप्रोफाइल वेन्यू पर होने वाली इसी मुलाकात पर टिकी हैं। इस बैठक से निकलने वाले परिणाम वैश्विक भू-राजनीति और अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव डाल सकते हैं, जिससे आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय संबंधों की दिशा तय होगी।

एपेक सम्मेलन को संबोधित करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका दुनिया भर में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने दोहराया कि अमेरिका एशिया-पैसिफिक क्षेत्र में शांतिपूर्ण विकास और मजबूत आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए काम करता रहेगा। इसी बीच उन्होंने कंबोडिया और थाईलैंड के बीच विवाद का जिक्र करते हुए दावा किया कि अमेरिकी मध्यस्थता से दोनों देशों के बीच शांति स्थापित करने में मदद मिली, जिसे उन्होंने अमेरिकी कूटनीति की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। ट्रंप ने मौजूदा अमेरिकी इकोनॉमी पर बोलते हुए दावा किया कि देश की आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर है और महंगाई दर 2 प्रतिशत से नीचे आ गई है। उन्होंने अमेरिकी व्यापार नीतियों को सफल बताते हुए वैश्विक बाजार में अमेरिकी कंपनियों की भूमिका पर जोर दिया। दूसरी तरफ, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने एपेक सम्मेलन के उद्घाटन भाषण के दौरान व्यापारिक साझेदारी और क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण पर बल दिया। उन्होंने कहा कि एशिया-पैसिफिक क्षेत्र वैश्विक व्यापार और आर्थिक विकास का महत्वपूर्ण केंद्र है, ऐसे में यहां के देशों को आपसी सहयोग बढ़ाना चाहिए तथा आर्थिक साझेदारी के नए अवसर तलाशने चाहिए। जिनपिंग ने खुले व्यापार, बहुपक्षवाद और क्षेत्रीय सहयोग के महत्व पर जोर दिया।

## पश्चिमी प्रतिबंध अब किसी देश की अर्थव्यवस्था को रोक नहीं सकते : पुतिन

बीजिंग। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बुधवार को चीन के शेनझेन में मुलाकात शुरू हुई। दोनों नेता एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन के दौरान द्विपक्षीय बातचीत कर रहे हैं। बैठक में रूस-चीन संबंधों, क्षेत्रीय सहयोग और वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों पर चर्चा होने की संभावना है। पुतिन ने कहा कि दुनिया में जारी उथल-पुथल के बावजूद रूस और चीन के संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। पुतिन ने कहा कि रूस और चीन के संबंध बराबरी, अच्छे पड़ोस और पारस्परिक लाभ के सिद्धांतों पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश चाहते हैं कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र के देश आर्थिक रूप से आगे बढ़ें और समृद्ध हों। उन्होंने रूस-चीन रिश्तों को बड़े देशों के बीच सहयोग का उदाहरण बताया। इससे पहले ऐपक के सीईओ फोरम को संबोधित करते हुए पुतिन ने पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रतिबंध, कर और निर्यात पर प्रतिबंध अब किसी देश की अर्थव्यवस्था को पूरी तरह रोकने में सक्षम नहीं हैं।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली



# निकोल्स के शतक से न्यूजीलैंड ने बनाये पांच विकेट पर 243 रन



**बुमराह ने 3 विकेट लिए**

वैलिंगटन। हेनरी निकोल्स के शानदार शतक से मेजबान टीम न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन अपनी पहली पारी में पांच विकेट पर 243 रन बना लिए थे। दिन का खेल समाप्त होने के समय निकोल्स 113 रन और ग्लेन फिलिप्स 94 रनों पर खेल रहे थे। दोनों के बीच छठे विकेट के लिए 173 रन की लंबी साझेदारी हुई है जिससे टीम एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचने में सफल रही। वहीं एक समय मेजबान टीम ने 70 रनों पर ही अपने पांच विकेट गंवा दिये थे। इसके बाद निकोल्स और फिलिप्स ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए भारतीय गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। वहीं इससे पहले आज सुबह भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया जिसे गेंदबाजों ने सही साबित किया।

मेजबान टीम की पारी की शुरुआत बेहद खराब रही। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने मैच की तीसरी ही गेंद पर कप्तान टॉम लैथम को बिना खाता खोले पवेलियन भेजकर करारा झटका दिया। इसके बाद युवा तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज और आकाश दीप ने भी एक-एक विकेट लेकर मेजबानों पर दबाव बना दिया। कंबोज ने डेवोन कॉनवे (4) को ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। वहीं आकाश दीप ने रचिन रवींद्र (15) को पंत के हाथों कैच कराकर न्यूजीलैंड को तीसरा झटका दिया।

बुमराह ने इसके बाद डेरिल मिचेल (1) को यशस्वी जायसवाल के हाथों कैच कराया। इसके बाद उन्होंने टॉम ब्लंडेल (5) को शुभमन गिल के हाथों कैच कराकर न्यूजीलैंड को पांचवां झटका दिया। इस प्रकार 70 रनों पर ही आधी कीवी टीम पेवेलियन लौट गयी। भारतीय गेंदबाजों ने निकोल्स और फिलिप्स की जोड़ी को तोड़ने के पूरे प्रयास किये पर असफल रहे। भारत की ओर से बुमराह ने तीन विकेट जबकि अंशुल कंबोज और आकाश दीप ने एक-एक विकेट लिया।

खेल का आकर्षण निकोल्स की पारी रही

आज के खेल का आकर्षण निकोल्स की शतकीय पारी रही। यह पारी धैर्य और आक्रामकता का शानदार मिश्रण थी। उन्होंने 221 गेंदों का सामना करते हुए भारतीय गेंदबाजों के सामने बेहतरीन दृढ़ता दिखाई और एक छोर संभाले रखा। उनकी शतकीय पारी ने न्यूजीलैंड को तब जीवनदान दिया जब टीम मुश्किल में थी। उन्होंने फिलिप्स के साथ मिलकर एक महत्वपूर्ण साझेदारी निभाई, जिसने न्यूजीलैंड को दिन के अंत तक एक मजबूत स्थिति में पहुंचाया और मैच का रुख पूरी तरह से बदल दिया।

## बुमराह सबसे अधिक विकेट लेने वाले शीर्ष 10 भारतीय गेंदबाजों में शामिल

**श्रीनाथ को पीछे छोड़ा**

वेलिंगटन। भारतीय क्रिकेट टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के पहले ही दिन एक अहम उपलब्धि अपने नाम की। बुमराह मेजबान टीम के खिलाफ पहली पारी में तीन विकेट लेकर भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले शीर्ष 10 गेंदबाजों में शामिल हो गये। बुमराह ने इसी के साथ ही श्रीनाथ के 236 टेस्ट विकेटों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। अब उनके नाम 237 विकेट हो गये हैं। यह कीर्तिमान बुमराह ने अपनी पारी के 53वें टेस्ट मैच में हासिल किया है जबकि श्रीनाथ ने अपने 236 टेस्ट विकेटों के लिए 67 टेस्ट मैच खेले थे। बुमराह की यह उपलब्धि उन्हें भारत के सर्वकालिक महान तेज गेंदबाजों में से एक के रूप में स्थापित करती है। बुमराह ने न्यूजीलैंड की पहली पारी के पहले ही ओवर की तीसरी गेंद पर कीवी कप्तान टॉम लैथम को खाता खोले बिना ही पेवेलियन भेजकर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद लंच से ठीक पहले उन्होंने बल्लेबाज डेरिल मिचेल को केवल एक रन के स्कोर पर आउट कर कीवी टीम को करारा झटका था। बुमराह ने इसके बाद मेजबान टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज टॉम ब्लंडेल को भी पांच रनों पर आउट कर दिया। इस विकेट के साथ ही बुमराह के टेस्ट करियर के 237 विकेट पूरे हो गए और वह शीर्ष दस की सूची में शामिल हो गए। गौरतलब है कि बुमराह ने अपने करियर में अब तक 16 बार एक पारी में पांच या उससे अधिक विकेट लिए हैं, जो उनकी मैच विजेता क्षमता को दिखात है। वहीं भारतीय टेस्ट क्रिकेट इतिहास में सबसे अधिक विकेट लेने का सर्वकालिक रिकॉर्ड पूर्व स्पिनर अनिल कुंबले (619 विकेट) के नाम है, जिनके बाद रविचंद्रन अश्विन (537 विकेट) और कपिल देव (434 विकेट) जैसे दिग्गज गेंदबाजों का स्थान आता है।

## फीफा रैंकिंग में पहली बार शीर्ष पांच में पहुंची मोरक्को, स्पेन नंबर एक पर बरकरार

जिनेवा। विश्व फुटबॉल की शीर्ष नियामक संस्था (फीफा) की ताजा रैंकिंग में मोरक्को की टीम ने पांचवों स्थान हासिल कर सभी को हैरान कर दिया है। ये पहली बार है जब मोरक्को की टीम शीर्ष पांच में आई है। साल 1993 में फीफा रैंकिंग की शुरुआत के बाद यह उनकी अब तक की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग। वहीं नंबर एक पर विश्व विजेता स्पेन बरकरार है। मोरक्को की इस शानदार छलांग के पीछे उनका लगातार बेहतरीन प्रदर्शन रहा है। 25 सितंबर के बाद खेले गए मुकाबलों में टीम ने चार जीत और एक ड्रॉ हासिल किया, जिसने उन्हें दो महत्वपूर्ण स्थानों की बढ़त दिलाई। इस जबरदस्त प्रदर्शन के बल पर ही उन्होंने विश्व फुटबॉल जगत की दिग्गज टीमों ब्राजील और पुर्तगाल तक को पीछे छोड़ दिया है। ताजा रैंकिंग में पुर्तगाल छठे और ब्राजील की टीम सातवें स्थान पर खिसक गए हैं, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि मोरक्को की उपलब्धि कितनी बढ़ी है। जहां मोरक्को ने छलांग लगाई, वहीं शीर्ष स्थानों पर कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। स्पेन ने अपनी नंबर एक की बादशाहत बरकरार रखी है, जबकि अर्जेंटीना दूसरे, फ्रांस तीसरे और इंग्लैंड चौथे स्थान पर कायम हैं। इन शीर्ष चार टीमों की रैंकिंग में किसी तरह का कोई परिवर्तन देखने को नहीं मिला है। शीर्ष 10 में अन्य टीमों में बेल्जियम आठवें और नीदरलैंड नौवें स्थान पर अपनी जगह बनाए हुए हैं, जो उनकी निरंतरता को दर्शाता है। शीर्ष 10 में एक बदलाव कोलंबिया के प्रवेश के रूप में सामने आया है। दो जीत, दो ड्रॉ और एक हार के साथ ही कोलंबिया ने एक स्थान की छलांग लगाते हुए 10वां स्थान हासिल कर लिया है, जिससे मेक्सिको शीर्ष 10 की सूची से बाहर हो गया है। इसके अलावा, कनाडा ने भी दो स्थान ऊपर चढ़कर 25वीं रैंकिंग हासिल की है, जो उसके फुटबॉल इतिहास की अब तक की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग मानी जा रही है और देश के लिए एक उत्साहजनक संकेत है।

## यशस्वी ने अविश्वसनीय कैच पकड़कर सभी को हैरान किया

वेलिंगटन। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा और प्रतिभाशाली खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के पहले ही दिन एक अविश्वसनीय कैच पकड़कर सबको हैरान कर दिया। यशस्वी ने शॉर्ट लेग पर फुर्ती से कैच लेकर डैरिल मिचेल को केवल 1 रन पर ही पवेलियन भेज दिया। न्यूजीलैंड की पहली पारी में, भारतीय तेज गेंदबाजों के सामने मेजबान टीम रन बनाने के लिए लगातार संघर्ष कर रही थी। शुरुआती झटकों के बाद डैरिल मिचेल क्रीज पर रन बनाने के प्रयास में थे। इसी बीच, जसप्रीत बुमराह की एक एक तेज, अंदर आती हुई गेंद को मिचेल ने क्रीज से बाहर निकलकर खेलने का प्रयास किया, लेकिन गेंद उनके बल्ले का अंदरूनी किनारा लेती हुई उनकी जांघ से टकराई और अप्रत्याशित रूप से हवा में उछल गई। तभी फॉरवर्ड शॉर्ट लेग पर खड़े यशस्वी ने सही तरीके से अपनी दाईं ओर, जमीन की तरफ एक अविश्वसनीय डाइव लगाई और गेंद को जमीन से छूने से ठीक पहले ही लपक लिया। यह कैच इतनी सफाई और फुर्ती से लपका गया था कि मैदान पर मौजूद सभी खिलाड़ी और दर्शक हैरान रह गए। कैच पूरा होते ही बुमराह, कप्तान शुभमन गिल और पूरी भारतीय टीम ने यशस्वी को घेरकर उनके इस शानदार प्रयास की सराहना की। जानकारों और क्रिकेट पंडितों ने तुरंत रोहित शर्मा की उस मशहूर सलाह को याद किया, जो उन्होंने यशस्वी को फील्डिंग के दौरान बल्लेबाज के नजदीक झुककर चौकस रहने के लिए दी थी। रोहित ने हमेशा से ही क्लोज-इन फील्डिंग की महत्ता पर जोर दिया है, और यशस्वी का यह कैच उनकी सीख का एक जीवंत प्रमाण था। यशस्वी ने इस कैच से यह साबित कर दिया कि वह केवल एक विस्फोटक सलामी बल्लेबाज ही नहीं, बल्कि एक अत्यंत फुर्तीले और विश्वस्तरीय क्लोज-इन फील्डर भी हैं।

## राष्ट्रीय खेल हॉकी एक बार फिर अपने स्वर्णिम दौर में प्रवेश कर रहा है : मुख्यमंत्री डॉ.यादव



**भोपाल में महिला एशियन चैम्पियनशिप का शुभारंभ, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खिलाड़ियों को दी बधाई**

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सहित देशभर में खेलों के प्रति सकारात्मक वातावरण बना है। खेलों और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। हमारा राष्ट्रीय खेल हॉकी एक बार फिर अपने स्वर्णिम दौर में प्रवेश कर रहा है। भोपाल में पहली बार महिला हॉकी की अंतर्राष्ट्रीय एशियन चैंपियनशिप का आयोजन मध्यप्रदेश के लिए गौरव और उपलब्धि का विषय है। राजधानी भोपाल के बरखेड़ा नाथू में अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खिलाड़ियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल के नाथू बरखेड़ा स्थित में आयोजित एशियन विमेंस हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी 2026 के शुभारंभ अवसर पर सभी टीमों और खिलाड़ियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। टूर्नामेंट में भारत सहित छह देशों की टीमें भाग ले रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश में विभिन्न खेलों गतिविधियों के अधोसंरचना विकास और सुविधाओं के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बरखेड़ा नाथू स्थित हॉकी स्टेडियम में महिला एशियन हॉकी चैंपियनशिप के शुभारंभ अवसर पर मीडिया से चर्चा में कहा कि मध्यप्रदेश के लिए खेल और खिलाि?यों की दृष्टि से आज स्वर्णिम दिवस है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टूर्नामेंट के शुभारंभ अवसर पर भारत की टीम की स्पोर्ट्स जर्सी का विमोचन किया।

## निकोल्स के शतक को देखकर खुशी से तालियां बजाने लगी पत्नी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज हेनरी निकोल्स ने भारत के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले ही दिन कठिन हालातों में शतक लगाकर अपनी टीम को मुश्किलों से उबरा। सलामी बल्लेबाजों के विफल होने के बाद मैदान में उतरे निकोल्स ने दबाव के हालातों में साहसिक पारी खेलकर अपने टेस्ट करियर का 12वां और भारत के खिलाफ पहला शतक लगाया जिससे टीम सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच पायी। निकोल्स के इस शतक को देखकर , बल्कि उनकी पत्नी भी भावुक हो कर तालियां बजाने लगी। उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। यह शतक हेनरी निकोल्स के लिए व्यक्तिगत रूप से भी कई मायनों में ऐतिहासिक रहा। यह उनके टेस्ट करियर का 12वां शतक है, लेकिन भारत के खिलाफ उन्होंने यह पहली बार लगाया है। 10 पारियों के बाद आखिरकार उन्हें भारत के खिलाफ शतक लगाने में सफलता मिली। वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व मैदान पर यह उनका पांचवां टेस्ट शतक है, जिसके साथ वह मार्टिन क्रो और केन विलियम्सन जैसे दिग्गजों की बराबरी पर आ गए हैं, जिन्होंने इस मैदान पर पांच-पांच शतक लगाए हैं। निकोल्स ने अब तक 9 देशों के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट खेला है और ऑस्ट्रेलिया को छोड़कर बाकी सभी 8 देशों के खिलाफ उनके नाम शतक दर्ज हो चुका है। इस यादगार पारी पर पूरे स्टेडियम ने खड़े होकर निकोल्स के लिए तालियां बजाईं। यह एक ऐसी पारी थी जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा, जिसने उनकी टीम को गहरे संकट से निकालकर एक मजबूत स्थिति में पहुंचाया। इस ऐतिहासिक पल पर निकोल्स की पत्नी भी थोड़ा भावुक हो गईं। वह खुशी से खड़ी होकर तालियां बजाने लगीं और अपनी सास यानी हेनरी की मां को गले लगा लिया।

# व्यापार समाचार

**संक्षिप्त समाचार**

## मस्क का हुआंग को समर्थन, प्रतिभाशाली सीईओ बताया

ऑस्टिन। स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने एनवीडिया के पूर्व प्रमुख जेन्सेन हुआंग के समर्थन में खुलकर बात की है, उन्हें माइकल जॉर्डन जैसा प्रतिभाशाली उद्यमी बताते हुए अपनी कंपनी में काम पर रखने तक की पेशकश कर डाली। हालांकि, एनवीडिया का बोर्ड हुआंग को वापस लाने के किसी भी विचार के खिलाफ अडिग है, खासकर राष्ट्रीय सुरक्षा और कथित चीनी जासूस के साथ उनके संबंधों को लेकर बढ़ते विवाद के बीच। मस्क ने यहां एक स्थानीय अखबार के डील बुक समिट में बोलते हुए एनवीडिया के इस कदम की तुलना शिकागो बुल्स द्वारा माइकल जॉर्डन को जीत के बीच टीम से निकाले जाने से की, और हुआंग को इतिहास के सबसे प्रतिभाशाली उद्यमी सीईओ में से एक बताया। उन्होंने कहा कि हुआंग अकेले ही कई लोगों का काम संभालते हैं, सप्लाई चेन का प्रबंधन करते हैं और उनके पास दशकों के गहरे व मजबूत संबंध हैं। मस्क ने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वह निश्चित रूप से हुआंग को काम पर रखेंगे, क्योंकि उनकी जगह कोई नहीं ले सकता। इसके विपरीत, एनवीडिया बोर्ड ने हुआंग की बहाली की संभावना को सिरे से खारिज कर दिया है और एक स्थायी उत्तराधिकारी की तलाश शुरू कर दी है। अमेरिकी कांग्रेस के सदस्यों, जिनमें हाउस लीडर हकीम जेफ़रीज़ भी शामिल हैं, ने एनवीडिया के फैसले का समर्थन किया है। जेफ़रीज़ ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए हुआंग की वापसी को अस्वीकार्य बताया। यह घटनाक्रम ऐसे समय में आया है जब जेन्सेन हुआंग कथित चीनी जासूस ऐलिस हुआंग के साथ अपने संबंधों को लेकर 1 दिसंबर को हाउस की तीन कमेटियों के सामने गवाही देने वाले हैं। बोर्ड ने पूर्व प्रमुख से जुड़े विवाद के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा नीतियों और निर्यात नियंत्रण नियमों के अनुपालन की निगरानी के लिए एक नई समिति बनाने की भी घोषणा की है।

## म्यूचुअल फंड निवेशकों का रुझान बदला, लार्जकैप फंडों ने स्मॉलकैप को पछाड़ा

नई दिल्ली। बीते एक महीने में भारतीय म्यूचुअल फंड बाजार में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है, जहां लार्जकैप फंडों ने निवेशकों को शानदार रिटर्न देकर स्मॉलकैप और मिडकैप फंडों को काफी पीछे छोड़ दिया है। इस अवधि में लार्जकैप फंडों ने जहां 9.8 फीसदी का प्रभावशाली रिटर्न दिया, वहीं स्मॉलकैप फंडों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और उन्हें केवल 0.7 फीसदी का रिटर्न मिला। मिडकैप फंडों ने 4 फीसदी का रिटर्न दर्ज किया। रिटर्न के साथ-साथ, निवेशकों के रुझान में भी स्पष्ट बदलाव आया है, जिसमें लार्जकैप फंडों में शुद्ध निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जबकि स्मॉलकैप फंडों से निवेश घटा है। अक्टूबर 2026 की एक रिपोर्ट के अनुसार बीते एक महीने में भारतीय शेयर बाजार ने शानदार वापसी की और भारतीय इक्विटी फंड का औसत प्रदर्शन 6 फीसदी रहा। इसके विपरीत, वैश्विक इक्विटी फंड और सोने-चांदी में निवेश करने वाले फंडों में गिरावट देखी गई। रिपोर्ट बताती है कि लार्जकैप म्यूचुअल फंड में शुद्ध निवेश 9,634 करोड़ रुपये से बढ़कर 13,887 करोड़ रुपये हो गया, जो लगभग 44 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। वहीं, स्मॉलकैप फंड में शुद्ध निवेश 8,071 करोड़ रुपये से घटकर 5,152 करोड़ रुपये रह गया, जिसमें लगभग 36 फीसदी की गिरावट आई। जानकारों का मानना है कि इस तेजी के पीछे विदेशी निवेशकों की भारतीय बाजार में वापसी और उनका बड़ी कंपनियों के शेयरों पर केंद्रित ध्यान एक प्रमुख वजह रहा। वैश्विक स्तर पर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)से जुड़ी कंपनियों में अत्यधिक निवेश पर सवाल उठने और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण ब्याज दरों में वृद्धि की आशंकाओं ने सोने-चांदी जैसी परिसंपत्तियों पर दबाव डाला। ऐसे माहौल में निवेशकों ने भारत जैसे उभरते बाजारों का रुख किया, जहाँ उन्हें स्थिर बड़ी कंपनियों में निवेश सुरक्षित लगा। क्षेत्रवार प्रदर्शन में, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएँ और बीमा सेक्टर ने 9.3 फीसदी का रिटर्न दिया, जिसमें सरकारी बैंकों ने 14.6 फीसदी की जोरदार तेजी दर्ज की।

# एंथ्रोपिक ने रचा इतिहास, बना दुनिया का सबसे बड़ा आईपीओ

**एलन मस्क की स्पेसएक्स को पछाड़ा, गूगल-माइक्रोसॉफ्ट ने किया निवेश**

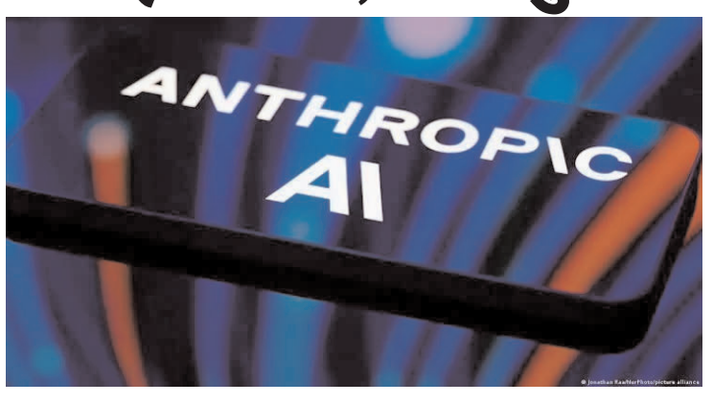


नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनी एंथ्रोपिक पीबीसी ने शेयर बाजार में उतरते ही एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कंपनी ने अपने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) और निजी प्लेसमेंट के जरिए कुल 107.3 अरब डॉलर (लगभग 1.07 लाख करोड़ डॉलर) जुटाकर दुनिया के सबसे बड़े आईपीओ का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने एआई उद्योग में निवेश के एक नए युग की शुरुआत की है और इसे एआई तकनीक के विकास के लिए एक अहम पड़ाव माना जा रहा है। एंथ्रोपिक ने एलन मस्क की स्पेसएक्स के 75 अरब डॉलर के पिछले रिकॉर्ड को ध्वस्त करते हुए यह उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने 83 डॉलर प्रति शेयर के भाव पर 95.64 करोड़ शेयर बेचे, जो शुरुआती अनुमानित दायरे (70-78 डॉलर प्रति शेयर) से काफी अधिक था। इसके अतिरिक्त, कंपनी के सात सह-संस्थापकों ने भी इसी कीमत पर 2.36 करोड़ शेयर बेचे। इस विशाल पेशकश में 26 अरब डॉलर का निजी प्लेसमेंट भी शामिल था, जिसमें गूगल, एडवांस्ड माइक्रो डिवाइसेज (एएमडी) और माइक्रोसॉफ्ट जैसी प्रौद्योगिकी दिग्गजों ने बड़ा निवेश किया। निजी प्लेसमेंट को हटा दें तो भी एंथ्रोपिक का 81.3 अरब डॉलर का आईपीओ अब तक का सबसे बड़ा रहा है, जिससे कंपनी का पूरी तरह से डाइल्यूटेड वैल्यूएशन लगभग 1.5 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच गया है। एंथ्रोपिक की यह लिस्टिंग एआई उद्योग के लिए एक गेम-चेंजर मानी जा रही है। अब तक निवेशकों का ध्यान मुख्य रूप से एआई के लिए चिप और बुनियादी ढांचा तैयार करने वाली कंपनियों पर था, लेकिन इस आईपीओ ने दिखाया है कि निवेशक अब क्लाउड-आधारित एआई प्लेटफॉर्म विकसित करने वाली कंपनियों में भी गहरी रुचि ले रहे हैं। इन प्लेटफॉर्म्स का उपयोग व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रहा है। एंथ्रोपिक के आईपीओ को उपलब्ध शेयरों की तुलना में लगभग सात गुना अधिक मांग मिली, जिसमें वॉल स्ट्रीट से लेकर लंदन और टोक्यो तक के वैश्विक निवेशकों ने उत्साह दिखाया। एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोडेई ने इस कदम को रणनीतिक बताया है, जो बाजार की तात्कालिक स्थितियों से परे कंपनी के दीर्घकालिक लक्ष्यों को दर्शाता है। यह लिस्टिंग इस मायने में भी महत्वपूर्ण है कि यह दुनिया की पहली प्रमुख एआई लैब है जिसने प्रतिद्वंद्वी ओपनएआई (जो 2027 से पहले लिस्टिंग की योजना नहीं बना रहा) को पीछे छोड़ते हुए सार्वजनिक बाजार में प्रवेश किया है।

## महानदी कोलफील्ड्स का आईपीओ की ग्रे मार्केट में सुस्त शुरुआत

नई दिल्ली। कोल इंडिया की सहायक महानदी कोलफील्ड्स (एमसीएल) का बहुप्रतीक्षित आईपीओ गुरुवार को बाजार में खुल गया है, जिसका लक्ष्य 8,981 करोड़ रुपये जुटाना है। हालांकि, ग्रे मार्केट में इसे सुस्त प्रतिक्रिया मिल रही है, लेकिन बड़े संस्थागत निवेशकों (एंकर इन्वेस्टर्स) ने इसमें मजबूत भरोसा दिखाया है, जिससे कंपनी ने पहले ही 2,295 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं। यह आईपीओ 23 नवंबर तक निवेशकों के लिए खुला रहेगा। ग्रे मार्केट में फिलहाल इसे प्रति शेयर मात्र 3 रुपये का प्रीमियम मिल रहा है, जो ऊपरी प्राइस बैंड पर लगभग 2.21 फीसदी के मामूली लिस्टिंग लाभ (139 रुपए) का संकेत देता है। हालांकि, विशेषज्ञ इसे अनौपचारिक मानते हुए आईपीओ खुलने के बाद सकारात्मक बदलाव की उम्मीद जता रहे हैं। आईपीओ खुलने से पहले एमसीएल ने एंकर निवेशकों को 136 रुपये प्रति शेयर के भाव पर शेयर आवंटित किए। इस राउंड में कुल 53 फंड्स ने हिस्सा लिया, जिसमें भारतीय जीवन बीमा निगम की बड़ी भागीदारी रही, जिसने लगभग 568 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। निप्पॉन लाइफ इंडिया ट्रस्टी, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी और विभिन्न बड़े म्यूचुअल फंड्स ने भी इसमें निवेश किया। आईपीओ का प्राइस बैंड 129 रुपये से 136 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है, और निवेशक कम से कम 110 शेयरों के लॉट के लिए आवेदन कर सकते हैं। यह पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल है, यानी इश्यू से मिलने वाली राशि सीधे महानदी कोलफील्ड्स के बजाय कोल इंडिया को मिलेगी।

## रुपया आठ पैसे टूटकर 93.49 प्रति डॉलर पर खुला

मुंबई। अमेरिकी डॉलर में मजबूती और घरेलू शेयर बाजारों में कमजोरी के बीच रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में आठ पैसे टूटकर 93.49 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और विदेशी पूंजी के प्रवाह से रुपये की गिरावट सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.40 प्रति डॉलर पर खुला और फिर गिरकर 93.49 प्रति डॉलर पर आ गया। यह पिछले बंद भाव के मुकाबले आठ पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 10 पैसे मजबूत होकर 93.41 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

## ईपीएफओ की नई योजना, रिटायरमेंट के बाद पीएफ किस्तों में मिलेगा

नई दिल्ली। रिटायरमेंट के बाद भविष्य निधि (पीएफ) का पैसा एक साथ निकालने के बजाय अब धीरे-धीरे निकालने की सुविधा मिल सकती है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) इसके लिए सिस्टमैटिक विदड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) लाने पर विचार कर रहा है, जिससे सेवानिवृत्ति के बाद भी आपके पैसे पर ब्याज मिलता रहेगा और नियमित आय सुनिश्चित होगी। ईपीएफओ रिटायरमेंट फंड से पैसा निकालने के लिए अपने सदस्यों को अधिक विकल्प देने की तैयारी में है। प्रस्तावित एसडब्ल्यूपी योजना के तहत, कर्मचारी अपनी जरूरत के अनुसार पीएफ खाते से किस्तों में पैसा निकाल सकेंगे। यह मौजूदा व्यवस्था से अलग होगा, जहां कर्मचारी 55 साल की उम्र में रिटायर होने पर पूरी राशि एकमुश्त निकाल सकते हैं। एसडब्ल्यूपी से यह सुनिश्चित होगा कि रिटायरमेंट के बाद भी आपका फंड निवेशित रहे और उस पर ब्याज मिलता रहे, जिससे आपको नियमित आय का विकल्प मिलेगा। इन अहम प्रस्तावों पर अंतिम निर्णय लेने के लिए ईपीएफओ के सर्वोच्च निर्णय लेने वाले निकाय, सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की बैठक 19 नवंबर को होने वाली है।




केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई दिल्ली में केंद्रीय बजट 2027-28 की तैयारियों को लेकर पांचवें दौर की बजट पूर्व परामर्श बैठक की अध्यक्षता की।

## पीएनबी ने एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट से की साझेदारी

नई दिल्ली। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड (एसबीआईएफएमएल) के साथ एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। यह समझौता पीएनबी के व्यापक शाखा नेटवर्क के ज़रिए ग्राहकों को एसबीआई म्यूचुअल फंड की निवेश योजनाओं तक सीधी पहुंच प्रदान करेगा। इस पहल का उद्देश्य देश के कोने-कोने तक म्यूचुअल फंड निवेश को पहुंचाना और ग्राहकों को उनकी वित्तीय ज़रूरतों के अनुरूप निवेश विकल्प उपलब्ध कराना है। नई दिल्ली स्थित पीएनबी मुख्यालय में हस्ताक्षरित इस समझौते के तहत, बैंक अपने कर्मचारियों को म्यूचुअल फंड निवेश प्रक्रियाओं में ग्राहकों की मदद करने के लिए व्यापक प्रशिक्षण देगा। ग्राहकों को डिजिटल माध्यम से नए खाते खोलने, लेनदेन करने और अपनी निवेश स्थिति की निगरानी करने की सुविधा भी मिलेगी। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट के पास सरकारी बैंकों, विशेषकर भारतीय स्टेट बैंक, के साथ काम करने का लंबा अनुभव है, जिसने कंपनी के एयूएम को लगभग 3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाया है। इस विशेषज्ञता का लाभ अब पीएनबी के उन ग्राहकों को मिलेगा जिन्होंने पहले कभी म्यूचुअल फंड में निवेश नहीं किया है। पीएनबी के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने इस साझेदारी को ग्राहकों के लिए व्यवस्थित और टिकाऊ निवेश विकल्प बताया, जबकि एसबीआईएफएमएल के एमडी और सीईओ देबाशीष मिश्रा ने देश में निवेश को बढ़ावा देने और लोगों में लंबी अवधि के लिए नियमित निवेश की आदत विकसित करने पर जोर दिया।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, शुक्रवार 20 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com



### मुख्यमंत्री ने दंत चिकित्सकों को उत्कृष्ट कार्य के लिए किया सम्मानित

# प्रदेश में आरंभ होगा एक और शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालयः मुख्यमंत्री डॉ.यादव

**मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश राज्य दंत परिषद के हीरक जयंती समारोह को किया संबोधित**



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जिस प्रकार मानव शरीर और हमारे जीवन में दांतों का महत्व है उसी प्रकार समाज में भी दंत चिकित्सकों का विशेष महत्व है। बच्चों की आयु और विकास का क्रम दांतों के आने से ही निर्धारित होता है और दांत ही व्यक्ति की सुंदरता को बढ़ाते घटाते है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने प्रदेश में इसी सत्र में एक और शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय आरंभ करने की घोषणा की। इसके साथ ही मुंह के कैंसर की रोकथाम और बेहतर इलाज के लिए सुझाव आमंत्रित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश राज्य दन्त परिषद को ओरल हेल्थ पॉलिसी पर ड्राफ्ट प्रस्तुत करने का सुझाव दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में मेडिकल कॉलजों की संख्या बढ़ाई जा रही है, दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों में मेडिकल कॉलेज शुरू करने से ग्रामीण क्षेत्रों में भी डॉक्टरों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पीएससी परीक्षा में चयनित होकर शासकीय सेवा में आए दंत चिकित्सकों को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ.यादव मध्यप्रदेश राज्य दंत परिषद के हीरक जयंती समारोह और युवा दंत चिकित्सक संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर दंत चिकित्सकों को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार समान रूप से सभी क्षेत्रों में विकास पर बल दे रही है। मध्यप्रदेश सरकार ने शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों को वर्षों से लंबित पदोन्नति दी। इससे राज्य के लगभग 1 लाख से अधिक शासकीय सेवक लाभान्वित हुए। युवाओं के लिए नई भर्तियां खोलकर 85 हजार पदों पर भर्ती की गई। आगामी दो साल में 2 लाख रिक्त पद भरे जाएंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विशेष रूप से 4 वर्गों पर जोर दिया है।

# करोंद के पलाशी में नगर निगम ने 25 एकड़ जमीन पर तोड़े निर्माण

**खजूरीकलां-करोंद में अवैध कॉलोनियों पर नगर निगम की कार्रवाई**

भोपाल। राजधानी भोपाल में अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनियों के खिलाफ नगर निगम ने गुरुवार को कार्रवाई की। खजूरीकलां और करोंद के पलाशी क्षेत्र में निगम की टीम जेसीबी लेकर पहुंची और सड़कें उखाड़ने के साथ बाउंड्रीवॉल व अन्य निर्माण ध्वस्त किए। खजूरीकलां में एसआर ग्रीन कॉलोनी के लिए किए जा रहे निर्माण पर कार्रवाई की गई,जबकि पलाशी में करीब 25 एकड़ जमीन पर विकसित हो रहे निर्माणों को निशाना बनाया गया। निगम अधिकारियों के मुताबिक, दोनों स्थानों पर बिना अनुमति कॉलोनी विकसित की जा रही थी। नगर निगम की पहली कार्रवाई खजूरीकलां स्थित खसरा क्रमांक 166 के अंश भाग में की गई। यहां एसआर ग्रीन कॉलोनी विकसित की जा रही थी। निगम अधिकारियों के अनुसार, करीब एक एकड़ क्षेत्र में बिना अनुमति कॉलोनी विकसित करने के लिए सड़क और अन्य निर्माण किए जा रहे थे। इस जमीन से मास्टर प्लान की सड़क प्रस्तावित है। ऐसे में निगम की टीम ने जेसीबी की मदद से सड़क और अन्य निर्माण हटाए,ताकि भविष्य में प्रस्तावित सड़क के निर्माण का रास्ता साफ हो सके। अधिकारियों ने जमीन की बाजार कीमत करीब एक करोड़ रुपए बताई है। दूसरी कार्रवाई करोंद के पलाशी क्षेत्र में की गई। यहां करीब 25 एकड़ जमीन पर बिना अनुमति किए जा रहे निर्माण को हटाने के लिए निगम का अमला पहुंचा। पुलिस बल की मौजूदगी में जेसीबी से निर्माण कार्य ध्वस्त किए गए। कार्रवाई के दौरान क्षेत्र में हलचल रही। निगम की टीम ने अवैध रूप से विकसित किए जा रहे हिस्सों में सड़क और अन्य निर्माण हटाए। शहर में अवैध निर्माणों को लेकर नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने दिन पहले 18 नवंबर को नगर निगम कमिश्नर रामप्रकाश अहिरवार को पत्र लिखा था। इसमें शहर में भवन निर्माण से जुड़े नियमों के उल्लंघन पर नाराजगी जताई गई थी।

# बच्चों की सुरक्षा के लिए मप्र में बनेगी साझा रणनीति

**राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की पहल,जिलों तक मजबूत होगा निगरानी तंत्र**



भोपाल। मध्यप्रदेश में बच्चों को बाल विवाह, यौन शोषण और डिजिटल अपराधों से सुरक्षित रखने के लिए पुलिस, प्रशासन, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा तथा स्थानीय निकायों के बीच समन्वय को और प्रभावी बनाया जाएगा। बाल विवाह की आशंका पर समय रहते हस्तक्षेप, ऑनलाइन यौन शोषण के मामलों में त्वरित कार्रवाई और पीड़ित बच्चों के संरक्षण के लिए साझा रणनीति विकसित की जाएगी। इस दिशा में मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन (आईसीपी) के सहयोग से राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित कर बाल सुरक्षा के लिए विभागों की सामूहिक जवाबदेही सुनिश्चित करने की पहल की है। राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ.निवेदिता शर्मा की अध्यक्षता में आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में आयोजित कार्यशाला में इस विषय पर मंथन हुआ। कार्यशाला में 10 जिलों के पुलिस अधिकारियों, महिला एवं बाल विकास विभाग, बाल कल्याण समितियों, किशोर न्याय बोर्ड, पंचायत एवं नगरीय प्रशासन, स्कूल शिक्षा विभाग तथा सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने बाल विवाह उन्मूलन और बाल यौन शोषण एवं दुर्व्यवहार सामग्री (सीएसईएएम) की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्ययोजना पर विचार-विमर्श किया। राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ.निवेदिता शर्मा ने कहा कि बच्चों का सुरक्षित बचपन सुनिश्चित करना केवल कानून की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि शासन,प्रशासन और समाज का साझा दायित्व है। बाल विवाह और यौन शोषण जैसी गंभीर समस्याओं के समाधान के लिए कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन,समयबद्ध कार्रवाई और व्यापक जनजागरूकता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह की रोकथाम के लिए स्थानीय स्तर पर निगरानी, विवाह से पहले आयु सत्यापन और सूचना मिलने पर तत्काल हस्तक्षेप की व्यवस्था मजबूत करनी होगी। डॉ. शर्मा ने डिजिटल माध्यमों पर बच्चों के बढ़ते जोखिमों का उल्लेख करते हुए कहा कि ऑनलाइन यौन शोषण के मामलों में पीड़ित बच्चे की पहचान को गोपनीय रखना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। बच्चे को दोषी ठहराने के बजाय संवेदनशील वातावरण में उसकी सहायता की जाए।

# संगठन की प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता बढ़ाने वाले हों प्रयास : हेमंत खण्डेलवाल

**सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने भाजपा कार्यालय में बैठक को किया संबोधित**



भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश,प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल तथा प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने गुरुवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में मोर्चा एवं प्रकोष्ठों के प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित किया। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, समाज के विभिन्न वर्गों से संवाद बढ़ाने और केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने की रणनीति पर चर्चा हुई। नेताओं ने कहा कि मोर्चा एवं प्रकोष्ठ संगठन और समाज के बीच मजबूत सेतु बनकर काम करें। सरकार की योजनाओं के प्रचार के साथ समाज से मिलने वाले सुझावों और समस्याओं को भी तथ्यात्मक जानकारी के साथ सरकार तक पहुंचाएं। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि संगठन की मजबूती केवल बैठकों और कार्यक्रमों से नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग के बीच निरंतर संवाद, संपर्क और सक्रिय सहभागिता से आती है। मोर्चा एवं प्रकोष्ठ अपने कार्यक्षेत्र में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ें, उनकी समस्याओं और अपेक्षाओं को समझें तथा पात्र हितग्राहियों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि संगठन के विस्तार के लिए जिन क्षेत्रों में अधिक सक्रियता की आवश्यकता है, वहां विशेष ध्यान दिया जाए। कार्यकर्ताओं का प्रत्येक प्रयास संगठन की प्रतिष्ठा, विश्वसनीयता और जनस्वीकार्यता बढ़ाने वाला होना चाहिए। खण्डेलवाल ने विभिन्न प्रकोष्ठों को उनके कार्यक्षेत्र के अनुरूप गतिविधियां बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने खेलकूद प्रकोष्ठ से मंडल एवं जिला स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित कर प्रतिभाओं को मंच देने, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ से जिलों में वैचारिक नाट्य मंचन के लिए कलाकारों को प्रशिक्षित करने तथा सहकारिता प्रकोष्ठ से डेयरी, मत्स्य पालन और सहकारी संस्थाओं के बीच संगठन का विस्तार करने का आह्वान किया। उन्होंने चिकित्सा प्रकोष्ठ से आयुष्मान भारत योजना के तहत पंजीकृत अस्पतालों और उपचार सुविधाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने, शिक्षा प्रकोष्ठ से निजी विद्यालयों को जोड़ने तथा स्व-सहायता समूहों के उत्पादों की ब्रांडिंग, मूल्य संवर्धन और विपणन के लिए प्रभावी व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया। व्यापारी प्रकोष्ठ से रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों सहित विभिन्न व्यापारिक संगठनों को जोड़कर व्यापक मंच तैयार करने की बात भी कही। राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने कहा कि मोर्चा एवं प्रकोष्ठ भाजपा की संगठनात्मक संरचना की महत्वपूर्ण इकाइयां हैं। इनकी जिम्मेदारी समाज के विभिन्न वर्गों को संगठन से जोड़ने और सरकार की योजनाओं एवं उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने तक सीमित नहीं है,बल्कि समाज से प्राप्त सुझावों को तथ्यात्मक अध्ययन और आंकड़ों के आधार पर सरकार तक पहुंचाना भी है।


